RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:192 ता. 26 जनवरी 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गुजरात में दिल्ली को कंझावला जैसा कांड, कार में फंसे युवक को 12 किलोमीटर तक घसीटने का आरोप

सूरत। अब गुजरात में भी दिल्ली के कंझावला केस की तरह ही एक मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यहां सूरत जिले में कार में फंसे एक युवक को करीब 12 किलोमीटर तक सड़क पर घसीटा गया है। युवक का शव हादसे की जगह से करीब 12 किलोमीटर दूर सूरत के पालसना तालुका में मिला है। बताया जा रहा है कि सड़क हादसे में मृतक युवक की पत्नी भी घायल हुई थीं। मृतक का नाम अश्विनी पाटिल बताया जा रहा है। अश्विनी की पत्नी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। स्थानीय मीडिया से बातचीत करते हुए मृतक की पत्नी ने कहा है कि मैं और मेरे पति रात करीब 10 बजे सूरत आ रहे थे। अचानक पीछे से एक कार ने हमें टक्कर मार दी। मैं व्हीकल से गिर गई। वहां लोग तुरंत मेरी मदद के लिए पहुंचे थे। लोगों ने अंधेरे में मेरे पति को तलाशने की कोशिश की थी लेकिन वो नहीं मिले। घटना 18 जनवरी की बताई जा रही है। यह कपल दो पहिया वाहन पर था। उस वक्त एक कार ने उन्हें टक्कर मारी थी।

संवाददाता से बातचीत में जिले के पुलिस अधीक्षक हितेश जोयसर ने बताया कि इस हादसे में एक कपल बाइक से जा रहा था और अज्ञात कार ड्राइवर ने उन्हें टक्कर मार दी। इस मामले में एक व्यक्ति ने मेरे WhatsApp पर संदिग्ध कार का वीडियो शेयर किया है। हमने कार की पहचान कर ली है और आरोपी के घर का पता लगाया है। फिलहाल आरोपी ड्राइवर अंडरग्राउंड हो गया है। हम उसे जल्द गिरफ़्तार कर लेंगे। एसपी ने आगे बताया कि नागरिकों की निगरानी की वजह से ही पुलिस इस वारदात को बेपर्दा कर पाने में कामयाब हुई है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने यह देखा कि एक युवक एक कार से उनके सामने ही गिरा, इसलिए उन्होंने उस कार का पीछा किया और मोबाइल से वीडियो बना लिया।

राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह को क्यों लताड़ा? याद आई वाजपेयी-सोनिया की तकरार

कांग्रेस ने तब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार पर लापरवाही के आरोप लगाए थे। हालांकि, पार्टी का हमला उसी पर भारी पड़ता नजर आया। कुछ ही महीनों बाद कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

नई दिल्ली। हम दिग्विजय सिंह के विचारों से असहमत हैं। पार्टी के विचार दिग्विजय सिंह के विचारों से ऊपर हैं। सर्जिकल स्ट्राइक्स को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के बयान पर राहुल गांधी ने खंडन किया। साथ ही उन्होंने सिंह के बातों को हास्यास्पद बताया है। इससे पहले पार्टी भी बयान से किनारा कर चुकी है। अब सवाल है कि राहुल ने अपने ही दल के दिग्गज नेता को लताड़ क्यों लगाई?

क्यों अहम है राहुल का बयान?

भाजपा कई बार राहुल पर बलों और उनकी बहादुरी पर सवाल उठाने के आरोप लगाती रही है। कहा जाता है कि कांग्रेस में भी कई लोगों का मानना है कि पार्टी को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर बातें संभलकर कहने की जरूरत है, ताकि बात का गलत असर ना हो और उसका फायदा भाजपा को ना पहुंचे।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिग्विजय के बयान पर राहुल की प्रतिक्रिया इस बात के संकेत हैं कि कांग्रेस पार्टी को यह एहसास है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बेहद सावधान रहने की जरूरत है।

क्या इतिहास से मिली सीख?

साल 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने हमला बोला था। उस दौरान करगिल युद्ध अपने अंतिम दौर में था। कहा जाता है कि तब कांग्रेस वर्किंग कमेटी की तरफ से सरकार पर पाकिस्तान घुसपैठ के मामले में देश को जानबूझकर अंधेरे में रखने के आरोप लगाए।

कांग्रेस ने तब वाजपेयी सरकार पर लापरवाही के आरोप लगाए थे। हालांकि, पार्टी का हमला उसी पर भारी पड़ता नजर आया। कुछ ही महीनों बाद कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। चुनाव प्रचार के दौरान तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गद्दार शब्द का इस्तेमाल किया था और सरकार पर करगिल संघर्ष के बीच पाकिस्तान से शक्कर आयात करने के आरोप लगाए थे।

भाजपा कई बार राहुल पर बलों और उनकी बहादुरी पर सवाल उठाने के आरोप लगाती रही है। कहा जाता है कि कांग्रेस में भी कई लोगों का मानना है कि पार्टी को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर बातें संभलकर कहने की जरूरत है,

बीजेपी का पलटवार

अब भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस को घेरा और सोनिया पर वाजपेयी जैसे वरिष्ठ राजनेता के अपमान के आरोप लगाए। हालांकि, कांग्रेस ने जवाब में कहा कि था कि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, बल्कि बयान उन लोगों को गद्दार बताया गया था, जो युद्ध के दौरान पाकिस्तान से शक्कर आयात कर रहे थे। कहा जाता है कि कांग्रेस तब से ही राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर सार्वजनिक तौर पर अपनी बात कहने में संघर्ष करती रही है।

लखनऊ में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी, लगातार चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन

लखनऊ। लखनऊ में पांच मंजिला बिल्डिंग गिर गई है। हादसा इतना भीषण था कि पहले किसी को कुछ समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ है। मौके पर मौजूद लोगों की सूचना पर पुलिस फोर्स के साथ SDRF, NDRF और 12 जेसीबी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंच गई। बाद में बचाव कार्य के लिए आर्मी को भी बुला लिया गया। मलबे से 12 लोगों को निकालकर अस्पताल भेजा गया। साथ ही आशंका जताई गई कि 3 लोगों की मौत हो गई है और 30 से 40 लोग मलबे में दबे हैं। लेकिन, देर रात साढ़े 10 बजे DGP डीएस चौहान ने कहा कि इस हादसे में कोई कैजुअल्टी नहीं हुई है।

हादसा शहर के हसनगंज रोड स्थित अलाया अपार्टमेंट में हुआ। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग के अंदर बेसमेंट की खुदाई चल रही थी, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि भूकंप की वजह से बिल्डिंग में दरार आ गई थी। हालांकि हादसा हुआ किस वजह से अभी यह साफ नहीं है।

मलबा हटाने के लिए क्रेन और डंपर मशीनें मंगाई गई हैं।

साल 2010 में इस बिल्डिंग का कंपाउंडिंग मानचित्र निरस्त कर दिया गया था।

अब मलबा हटाने का काम तेजी से शुरू किया गया है। इसके लिए क्रेन डंपर मशीनें मंगाई गई हैं।

अब मलबा हटाने का काम तेजी से शुरू किया गया है। इसके लिए क्रेन डंपर मशीनें मंगाई गई हैं।

मलबे में दबे लोगों को ऑक्सीजन की कमी ना हो। इसलिए ऑक्सीजन को मलबे के अंदर पहुंचाया जा रहा है।

रेस्क्यू टीम ने एक परिवार के सदस्य को बुलाया। उनसे यह जानने की कोशिश की कि किचन का दरवाजा कहां पर है। क्योंकि, जब मलबा गिरा तो किचन में ही लोग थे।

फरीन फातिमा की बहन आफरीन अभी मलबे में दबी हुई है। उनका कहना है कि बहन से 11:30 बजे तक बात हुई थी। इसके बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

BBC की डॉक्यूमेंट्री पर देशभर में बवाल, SFI का ऐलान, कोलकाता की यूनिवर्सिटी में भी होगी स्क्रीनिंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी को टारगेट करके बनाई गई बीबीसी की विवादित डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग को लेकर जेएनयू में जमकर हंगामा हुआ। लेफ्ट संगठन इस डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग को लेकर अड़े हुए हैं। यह मामला केवल जेएनयू का नहीं है बल्कि केरल में भी मंगलवार देर शाम कई कॉलेजों में डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग की गई। अब लेफ्ट के छात्र संगठन स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कोलकाता की प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी में बैन डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग का ऐलान कर दिया है। एसएफआई की तरफ से कहा गया है कि विश्वविद्यालय परिसर में 27 जनवरी को यह डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी।

भाजपा युवा मोर्चा का प्रदर्शन

'BBC's Ondia: The Modi Question'नाम की डॉक्यूमेंट्री को लेकर बवाल थण नहीं रहा है। एक तरफ विपक्षी दलों से जुड़े संगठनों और लेफ्ट संगठन इसकी स्क्रीनिंग पर अड़े हैं तो दूसरी तरफ भाजपा युवा मोर्चा इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। एसएफआई के ऐलान के बाद केरल एर्नाकुलम के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से

विक्टोरिया कॉलेज तक भाजपा युवा मोर्चा ने मार्च निकाला। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करके प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया। सूत्रों का कहना है कि बैन के बावजूद एर्नाकुलम और तिरुवनंतपुरम के कई कॉलेज में मंगलवार देर शाम इस डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग की गई। केरल की सत्ताधारी सीपीआई (एम) के डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कहा था कि केवल दक्षिणी राज्यों में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में यह डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी। डीवाईएफआई की स्टेट सेक्रेटरी वीके सनोज ने कहा था कि सरकार इसे छिपाने की कोशिश कर रही है लेकिन इसको दिखाने में कोई देश विरोध नहीं है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने सबको चौंका दिया। उन्होंने कहा कि देश की संप्रभुता के साथ किसी भी तरह का खिवाड़ नहीं होना चाहिए। इसके बाद अनिल एंटनी ने बुधवार को कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा भी दे दिया। उन्होंने कहा था, भाजपा से मतभेदों के बाद भी मुझे लगता है कि एक दूसरे देश का चैनल लंबे समय से पूर्वाग्रह से ग्रसित रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश प्रसारक बीबीसी को भारतीय संस्थानों पर तरजीह देना हमारी संप्रभुता को कमजोर करना है।

शाह ने हिमाचल के स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

देवभूमि हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस की हिमाचल वासियों को शुभकामनाएं। प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर वाली देवभूमि की निरंतर प्रगति और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना करता हूँ।

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

श्री शाह ने आज ट्वीट किया, देवभूमि हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस की हिमाचल वासियों को शुभकामनाएं। प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक धरोहर वाली देवभूमि की निरंतर प्रगति और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना करता हूँ। उल्लेखनीय है कि 25 जून 1971 को हिमाचल प्रदेश देश का अठारहवाँ राज्य बना था। इससे पहले यह केन्द्रशासित प्रदेश था।

22 पर 18 साल तक चला गुजरात दंगे का केस, ट्रायल में ही 8 मर गए; अब कोर्ट ने कहा- सबूत ही नहीं

अहमदाबाद। 2002 में हुए गुजरात दंगे के एक केस में अदालत ने 22 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। दो दशक तक चले इस केस के ट्रायल के दौरान 8 आरोपियों की मौत भी हो चुकी है। गोधरा कांड के बाद हुए हिंसा में कलोल कस्बे में 17 लोगों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल थे। सभी पीड़ित अल्पसंख्यक समुदाय से थे। इस केस में 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। इस मामले में बचाव पक्ष के वकील गोपाल सिंह सोलंकी ने बताया कि

एडिशनल जज हर्ष त्रिवेदी की अदालन ने 22 अभियुक्तों को बरी कर दिया है जिसमें से 8 की मामले की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में सबूतों का अभाव था इसलिए अदालत ने यह फैसला सुनाया। इस मामले में अभियोजन पक्ष का कहना है कि गुजरात दंगों के दौरान 17 पीड़ितों की हत्या कर दी गई थी। इसमें दो बच्चे भी शामिल थे। उन्होंने यह भी बताया कि हत्या करने के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए लाशों को आग के हवाले कर दिया था। 27 फरवरी, 2002 को अयोध्या से गुजरात लौट रही साबरमती ट्रेन के एक कोच में आग लगा दी गई थी। इसमें 59 कारसेवकों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद गुजरात के कई इलाकों में हिंसा भड़की थी। भड़की हिंसा की आंच गोधरा से तीस किलोमीटर दूर कलोल कस्बे के देलोल गांव में भी पहुंची थी। यहां कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया था जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के 17 लोगों की मौत हो गई थी। रामचरितमानस विवाद को लेकर ओमप्रकाश राजभर ने स्?वामी प्रसाद को घेरा, बोले-जब बहुमत की सरकार में मंत्री थे तब क?यों नहीं आई याद?

इस मामले में पुलिस जांच में सामने आया कि एक पुलिस अधिकारी ने पीड़ितों और गवाहों की शिकायत के बाद भी एफआईआर नहीं दर्ज की थी। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की और घटना के लगभग 20 महीने के बाद दिसंबर 2003 में दोबारा एफआईआर करवाई गई थी। इस मामले में भगोड़े आरोपियों को 2004 में गिरफ्तार कर लिया गया था।

सोलंकी ने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों ने स्थानीय अदालत में जमानत याचिका दाखिल की थी जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। इसके बाद आरोपी हाईकोर्ट पहुंच कर याचिका डाली। हाईकोर्ट ने उन्हें जमान दे दी। तब से सभी आरोपी जमानत पर थे।

26 जनवरी की परेड की वजह से दिल्ली में कई रास्ते बंद

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह गुरुवार को कर्तव्यपथ पर आयोजित होगा। इसकी परेड विजय चौक से शुरू होकर कर्तव्यपथ, सी-हेक्सागन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा, तिलक मार्ग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग होते हुए लाल किला पहुंचेगी। इसे ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार सुबह 9:30 बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक परेड के रास्तों से दूर रहने की सलाह दी है। इस दौरान जाम के आसार भी हैं।

यहां यातायात प्रतिबंधित रहेगा

विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्यपथ पर बुधवार शाम 6 बजे से परेड की समाप्ति तक यातायात प्रतिबंधित रहेगा। रफी मार्ग, जनपथ, मान सिंह रोड पर बुधवार रात 11 बजे से परेड की समाप्ति तक कर्तव्यपथ की तरफ यातायात की अनुमति नहीं होगी।

सी-हेक्सागन- इंडिया गेट गुरुवार सुबह 9.15 बजे से परेड के तिलक मार्ग पार करने तक यातायात के लिए बंद रहेगा। गुरुवार सुबह 10 बजे से तिलक मार्ग, बहादुरशाह जफर मार्ग और सुभाष मार्ग पर दोनों दिशाओं से यातायात निकलने की अनुमति नहीं होगी। परेड के आवागमन के आधार पर ही यातायात को मुड़ने की अनुमति दी जाएगी।

इन रास्तों का इस्तेमाल करें

उत्तर-दक्षिण के लिए रिंग रोड, आश्रम चौक, सराय काले खां,आईपी फ्लाईओवर, राजघाट, रिंग रोड। सफदरजंग मदरसा से लोधी रोड, अरविंदो मार्ग, एम्स चौक, रिंग रोड, धौला कुआं, वंदे मातरम मार्ग, शंकर रोड, पार्क स्ट्रीट या मंदिर मार्ग। पूर्व से पश्चिम जाने के लिए। रिंग रोड, भैरो रोड, मथुरा रोड, लोधी रोड, अरविंदो मार्ग, एम्स चौक, रिंग रोड, धौला कुआं, वंदे मातरम मार्ग, शंकर रोड, पार्क स्ट्रीट या मंदिर मार्ग> रिंग रोड, बुलवर्ड रोड, बर्फखाना चौक, रानी झांसी फ्लाईओवर,

फैज रोड, वंदे मातरम मार्ग, शंकर रोड।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन जाने के लिए दक्षिण दिल्ली से धौला कुआं, वंदे मातरम मार्ग, पंचकुईयां रोड, कनॉट प्लेस आउटर सर्किल, चेम्सफोर्ड रोड। पूर्वी दिल्ली से आईएसबीटी ब्रिज होते हुए बुलवर्ड रोड, रानी झांसी फ्लाईओवर, झंडेवालान, डीबीजी रोड, शीला सिनेमा रोड, पहाड़गंज पुरानी दिल्ली स्टेशन के लिए दक्षिण दिल्ली से रिंग रोड, आश्रम चौक, सराय काले खां, छत्ता रेल, कोडिया पुल से रेलवे स्टेशन।

यहां तक चलेंगी अंतरराज्यीय बसें

गाजियाबाद से शिवाजी स्टेडियम आने वाली बसें एनएच 24, रिंग रोड होते हुए आयेंगी और भैरो रोड पर समाप्त होंगी। एनएच 24 से आने वाली बसें रोड नंबर 56 पर दायी ओर मुड़ेंगी और आईएसबीटी आनंद विहार पर समाप्त होंगी। गाजियाबाद की तरफ से आने वाली बसें मोहन नगर पर वजीराबाद पुल के लिए भोपुरा चुंगी की तरफ मोड़ दी जाएंगी। धौला कुआं की तरफ से आने वाली सभी बसें धौला कुआं पर समाप्त की जाएंगी।

तिलक ब्रिज पर रेल यातायात प्रभावित रहेगा

गणतंत्र दिवस परेड समारोह के चलते 26 जनवरी को तिलक ब्रिज पर रेल यातायात सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक अस्थायी रूप से निलंबित रहेगा। इसके चलते 04952 नई दिल्ली-गाजियाबाद स्पेशल, 04913/04912 पलवल-गाजियाबाद-पलवल स्पेशल, 04965 पलवल-नई दिल्ली स्पेशल, गाजियाबाद-नई दिल्ली स्पेशल 26 जनवरी को रद्द रहेगी। नई दिल्ली आने-जाने वाली 8 रेलगाड़ियों के मार्ग में परिवर्तन रहेगा जबकि 9 रेलगाड़ियों को रोककर चलाया जाएगा।

बॉर्डर से भारी वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा

बुधवार रात 9 बजे से परेड समाप्त होने तक बार्डर से किसी भी प्रकार के भारी वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। गुरुवार सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक रिंग रोड पर आईएसबीटी सराय काले खां और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच किसी भी प्रकार के भारी वाहनों को चलने की अनुमति नहीं होगी।

संक्षेप खबर

हिमाचलः एक साल में कांग्रेस कैसे देगी एक लाख नौकरियां, बैठक में उद्योग मंत्री ने बताया प्लान

शिमला। हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने युवाओं को एक लाख रोजगार देने के लिए बनाई कैबिनेट सब कमेटी की बैठक सोमवार को उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान की अध्यक्षता में राज्य सचिवालय में हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से 15 दिन के अंदर विभिन्न विभागों में खाली पड़े पदों की रिपोर्ट मांगी गई है। इसके साथ ही उन पदों की भी जानकारी मांगी गई, जिन पदों पर भर्ती के लिए सूचना हुई लेकिन भर्ती नहीं हुई। इसके अलावा बैठक में भर्तियों की वजह से सरकार पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ का भी ब्योरा मांगा गया। कमेटी में हर्षवर्धन चौहान के साथ रोहित ठाकुर और जगत सिंह नेगी भी शामिल रहे। हालांकि जगत सिंह नेगी बैठक से नदारद रहे। बैठक में सरकारी दफ्तरों में भर्तियों पर विचार विमर्श हुआ। बैठक के बाद हर्षवर्धन चौहान ने जानकारी देते हुए कहा कि सभी विभागों में खाली पड़े पदों की जानकारी मांगी गई है। इसके साथ ही ऐसे पदों की जानकारी दी गई है जिन पदों पर भर्ती के लिए सूचना हुई मगर पदों पर भर्ती नहीं हुई। इसके अलावा हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि 5 साल में एक लाख नौकरी देने का वादा है, जिसे पूरे कार्यकाल में बांटे तो हर साल 20 हज़ार नौकरियां दी जाएगी। इसके लिए भी विभागों से पूछा गया है कि इसकी वजह से हर वर्ष कितने रुपए का आर्थिक बोझ पड़ेगा। उद्योग मंत्री ने कहा कि विभागों से 15 दिनों में रिपोर्ट मांगी गई है और इसको लेकर ब्रॉड आउट लाइन तैयार कर ली गई है।

जिनके घर शीशे के हों, वे दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते : कांग्रेस

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आज कांग्रेस की प्रदेश इकाई की नई कार्यकारिणी को 'सर्कस' कहे जाने के बाद कांग्रेस ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनके घर शीशे के हों, वे दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के.के मिश्रा ने अपने ट्वीट में कहा कि सर्कस कांग्रेस नहीं, मध्यप्रदेश की सरकार ही है! जिनके घर शीशे के हों, वे दूसरों पर पत्थर नहीं फेंकते। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि क्या भाजपा ने हटाए गए जिलाध्यक्षों को प्रदेश कार्यकारिणी में नहीं लिया? इसके साथ ही उन्होंने कई उदाहरण देते हुए कहा कि क्या भाजपा में परिवारवाद नहीं है।

पंजाब में 7 एडीजीपी अफसर डीजीपी प्रमोट

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 7 एडीजीपी रैंक के अफसरों को डीजीपी प्रमोट किया है। इनमें चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी वीडियो लीक केस सुपरविजन करने वाली आईपीएस गुरप्रीत कौर देयो का नाम भी शामिल है। अन्य अफसरों में वरिंदर कुमार, ईश्वर सिंह, जितेंदर कुमार जैन, सतीश कुमार अस्थाना, शशि प्रभा द्विवेदी और राजिंदर नामदेयो ढोके का शामिल है। सभी पुलिस अफसर साल 1993 बैच के हैं। राज्य सरकार बीते दिनों से लगातार पंजाब पुलिस विभाग के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव फैसले ले रही हैं। इससे पहले सरकार ने बीते दिनों कई आईपीएस अधिकारियों के विभिन्न जिलों में ट्रांसफर ऑर्डर जारी किए। वहीं अब पुलिस अधिकारियों को प्रमोट किया गया है।

चंडीगढ़ पुलिस में पंजाब कैडर के आईपीएस को ही बतौर एसएसपी यूटी नियुक्ति मिलती है, लेकिन पूर्व एसएसपी यूटी, आईपीएस कुलदीप सिंह चहल को पेरेंट कैडर पंजाब वापस भेजे जाने के बाद से यह पोस्ट रिक्त पड़ी है। इस पद के लिए पंजाब सरकार द्वारा चंडीगढ़ प्रशासन को 3 आईपीएस अधिकारियों का पैनल भेजे लंबा समय बीत गया है। संबंधित फाइल एमएचए को भेजी गई है, लेकिन चंडीगढ़ में एसएसपी यूटी की पोस्ट पर अब तक किसी आईपीएस अधिकारी के नाम पर मोहर नहीं लगाई गई है।

हिमाचल सरकार ने बदले 11 तहसीलदार, पीडब्लूडी के तीन एसई को मिली पदोन्नति

शिमला। हिमाचल की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। प्रदेश सरकार ने जहां राजस्व विभाग के 11 तहसीलदरों के तबादला आदेश जारी किए हैं। वहीं पीडब्ल्यूडी के तीन सुप्रीटेंडिंग इंजीनियर को चीफ इंजीनियर के पद पर पदोन्नति दी है। इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। तहसीलदारों की तबादला आदेशों को लेकर जारी की गई अधिसूचना के अनुसार राजेश शर्मा को ठियोग से पांवटा साहिब भेजा गया है। जबकि पांवटा साहिब में तैनात तहसीलदार वेद प्रकाश को सुंदरनगर लगाया गया है। इसी तरह से अनिल कुमार का तबादला सुंदरनगर से ठियोग किया गया है। राजेश नेगी को काजा से मूरंग भेजा गया है। कोटली के तहसीलदार सतिंद्र जीत को नौहराधार लगाया गया है। बिलासपुर सदर के तहसीलदार संजीव गुप्ता को शिमला ग्रामीण भेजा गया है। इसी तरह से शिमला ग्रामीण में तैनात तहसीलदार कपिल तोमर को स्टांप सर्कल हिमाचल प्रदेश सचिवालय भेजा गया है। वहीं हीरा लाल गाजटा को हिमुडा से शिमला शहरी, सुमेध शर्मा को शिमला शहरी से हिमुडा शिमला और धर्मपाल को करसोग से बडसर के लिए तबादला किया गया गया है।

प्रदेश सरकार ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तीन एसई यानी अधीक्षण अभियंता को चीफ इंजीनियर का तोहफा दे दिया है। जारी अधिसूचना के मुताबिक सुरिंद्र पॉल, सुरेश कपूर और नरेंद्र पॉल सिंह चौहान अधीक्षण अभियंता से चीफ इंजीनियर के पद पर पदोन्नत हुए हैं। सुरिंद्र पॉल अब चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी शिमला जोन, सुरेश कपूर चीफ इंजीनियर नेशनल हाईवे और नरेंद्र पॉल सिंह चौहान चीफ इंजीनियर मंडी जोन होंगे।

रालोपा के तीनों सदस्यों को सोमवार की कार्यवाही तक सदन से किया गया निष्कासित

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत आज हंगामेदार रही और पेपर लीक मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग को लेकर सदन में हंगामा करने पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के विधायक पुखराज गर्ग, नारायण बेनीवाल और इंद्रा बावरी को सोमवार की कार्यवाही तक सदन से निष्कासित कर दिया गया। बजट सत्र में राज्यपाल कलराज मिश्र के अभिभाषण पढ़ना शुरु करते ही ये तीनों सदस्य वेल में आ गए और हाथों में पेपरलीक मामले की सीबीआई जांच लिखी तख्तियां दिखाते हुए नारेबाजी करने लगे। इस दौरान भाजपा के सदस्य भी वेल में आ गए और नारेबाजी करने लगे और सदन में हंगामा हुआ। बाद में राज्यपाल का अभिभाषण पढ़ा हुआ मान लिया गया और सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही दुबारा शुरु होने पर अध्यक्ष डा सी पी जोशी ने चुरु जिले की सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायक अनिल कुमार शर्मा को शपथ दिलाने लगे उस दौरान रालोपा के तीनों विधायकों ने वेल आकर फिर अपना प्रदर्शन शुरु कर दिया इस पर डा जोशी ने उन्हें टोका और कहा कि एक सदस्य शपथ ले रहा हैं गरिमा बनाये रखे, लेकिन रालोपा के तीनों सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि आसन पैरो पर हैं, सदन की गरिमा बनाये रखे, इसके बाद भी तीनों सदस्यों के वेल में अपना प्रदर्शन जारी रखने पर डा जोशी ने कहा कि वह अंतिम बार कह रहे हैं और आसन पैरों पर है, सदन में पोस्टर बताना भी गलत है। इस पर भी ये सदस्य अपनी जगह पर नहीं जाने पर अध्यक्ष ने कहा ÷बाहर जाइए÷ और उन्होंने मार्शलों को तीनों सदस्यों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। इस दौरान अध्यक्ष ने तीनों सदस्यों को आज की सदन की कार्यवाही तक निष्कासित भी कर दिया।

बेंगलुरु में अवैध रूप से रह रही पाकिस्तानी महिला गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरू पुलिस ने एक पाकिस्तानी युवती इकरा जिवानी (19) को गिरफ्तार किया है, जो अवैध रूप से नेपाल की सीमा से देश में दाखिल हुई थी और बेंगलुरु में रह रही थी। पुलिस ने आज यह जानकारी दी। पाकिस्तान की रहने वाली इकरा की डेटिंग एप के जरिए उत्तर प्रदेश के रहने वाले मुलायम सिंह (25) से मुलाकात हुई और उसे मुलायम से प्यार हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 2022 में नेपाल की सीमा के रास्ते भारत सीमा में घुसी इकरा की शादी मुलायम सिंह से हुई थी।

हिमाचल प्रदेश के विकास के साथ कोई समझौता नहीं होगाः ठाकुर

शिमला। एजेंसी

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पदभार सम्भालते ही पूर्व सीएम जयराम ठाकुर सुक्खू सरकार पर बरस पड़े। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को ओपीएस दीजिए, लेकिन संस्थान बंद और महंगाई बढ़ाकर नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम नई ज़िम्मेवारी के साथ विपक्ष की भूमिका निभायेंगे। जनहित के फ़ैसलों का समर्थन करेंगे, लेकिन जनविरोधी नीतियों का जमकर विरोध करेंगे।

जयराम ठाकुर ने कहा अगर कांग्रेस सरकार जनहित में निर्णय नहीं लेगी तो हम पूरी ताकत के साथ निर्णय का विरोध करेंगे। प्रदेश के विकास के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पूर्व सीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार की शुरुआत अच्छी नहीं रही एसी हम अपेक्षा नहीं थी, जिस प्रकार सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के सहजता और सरलता के बारे में चर्चा होती थी पर जो काम उनकी सरकार ने किए वह उनके व्यवहार के विपरीत है। पूरे प्रदेश में कार्यालयों को बंद किया गए जो की प्रदेश हित में नहीं है।ऐसा पहली बार हुआ है की किसी सरकार के एक साल के कार्यकाल का रिव्यू हुआ है, यह बंद करना का सिलसिला ठीक नहीं। आने वाले समय में सरकार 5 साल के निर्णय का भी रिव्यू कर सरकती है। विधानसभा सत्र में तीन दिन तक वॉक आउट हुआ, जनता में रोष है। इस सरकार को अपने फैसलों के बारे में फिर सोचना चाहिए। हिमाचल के इतिहास में पहली बार इतने काम अंतर के साथ कोई सरकार बनी है। जयराम ने कहा कि हमारी सरकार कि योजनाओं का नाम बदले जा रहे है।

जो एक ग़लत परंपरा है। 11 दिसंबर को सरकार ने शपथ ली और बिना कैबिनेट के ही पूर्व सरकार के फ़ैसलों को निरस्त किया। जनहित में खोले हुए संस्थानों को भी बंद किया गया, जो ग़लत है। पूर्व सीएम ने कहा सुक्खू सरकार ने डीज़ल पर वैट बढ़ाया और जनता पर बोझ डाल दिया। जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में एक और परंपरा शुरू होने जा रही है अब हिमाचल प्रदेश की योजनाओं के नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो रही है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपई के नाम योजनाओं को अब हिमाचल में राजीव गांधी के नाम पर रखा जा रहा है, यह कोई स्वस्थ परंपरा नही है। अटल जी के नाम पर हमने डे बोर्डिंग स्कूल की योजना शुरू की, कई बोर्डिंग स्कूलों का तो शिलान्यास भी हो गया पर अब इस योजना का नाम राजीव गांधी के नाम पर रखा जा रहा है। अटल जी नाम हटाना सही नहीं, अटल जी हिमाचल को अपना दूसरा घर मानते थे और हिमाचल के लोग भी उनसे तहे दिल से जुड़े थे।जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल के गरीब लोगो ने भी सरकार को वोट डाला है, उनके वोट का सम्मान रखना चाहिए, डीजल की दामों को बढ़ाना सही नहीं इस हिमाचल में महंगाई आएगी।

हिमाचलः मनरेगा मजूदरों की ऑनलाइन हाजिरी का विरोध जारी, अब इन प्रधानों-उपप्रधानों ने सौंपा ज्ञापन

नूरपुर। एजेंसी

हिमाचल में मनरेगा मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी लगाने का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में अब जिला कांगड़ा के विकास खंड नूरपुर और विकास खंड फतेहपुर के तहत आती पंचायतों के प्रधानों उपप्रधानों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नूरपुर विकास खंड के अंतर्गत पंचायतों के प्रधानों और उपप्रधानों ने सोमवार को पंचायतों में ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में एसडीएम नूरपुर गुरसिमर सिंह के माध्यम से सीएम और पंचायती राज मंत्री को ज्ञापन भेजा। पंचायत प्रतिनिधि उदय पठानियाए सिकंदर राणा और अभिलाषा चिब ने ज्ञापन सौंपने के बाद कहा कि सरकार का मनरेगा के तहत काम करने वाले मजदूरों की ऑनलाइन हाज़िरी का फ़रमान समझ से परे है। इनकी माने तो कई पंचायतों के सदस्य पूरी तरह अनपढ़ है जिन्हें स्मार्टफोन के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है और कई सारे सदस्य ऐसे है जिनके पास स्मार्टफोन फ़ोन भी नहीं है। ऐसे में वो सदस्य ऑनलाइन हाजिरी कैसे लगाएं। इन पंचायत प्रतिनिधियों की मांग है कि पहले सरकार सभी को स्मार्टफोन उपलब्ध करवाए और सभी को ट्रेनिंग मुहैया करवाई जाए। वही कई प्रतिनिधियों का कहना है कि बहुत सारे क्षेत्रों में नेटवर्क समस्या है। जब सिग्नल ही नहीं होगा तो यह प्रक्रिया कैसे अमल में लाई जाएगी। उन्होंने मांग की है कि सरकार इस आदेश को वापिस ले और जिस तरह पूर्व में काम चल है उन्हें चलने दें नहीं तो सभी विकासकार्य पूरी तरह बंद ही जाएंगे। टाइड-एन्टाइड की रेशों 70-30 करने को की अपील - इसी तरह से विकास खंड फतेहपुर के प्रधानों की बैठक सोमवार को रेस्ट हाऊस फतेहपुर में हाड़ा प्रधान सुशील कालिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक बारे जानकारी देते हुए पंचायत मिंता प्रधान सुशील शर्मा ने बताया मनरेगा की ऑनलाइन हाजिरी का हम सब प्रधान विरोध करते हुए सरकार से अपील करते हैं कि नेटवर्क समस्या के कारण ऑनलाइन हाजिरी लगाना परेशानी बन रही है। इसलिए जैसे पहले हाजिरी लगाई जाती थीए उसी प्रक्रिया को दोबारा अपनाया जाए।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रयागराज मे लोगों को सपथ दिलाई गयी

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश दिवस एव राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रयागराज मे लोगों को सपथ दिलाई गयी।। अवसर पर उत्तर प्रदेश दिवस-2023 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दूसरे दिन ''निवेश एवं रोजगार'' पर आधारित प्रदर्शनी के साथ ही कवि सम्मेलन व विविध संस्कृतिक कार्यक्रमों का किया गया आयोजन।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर लोगो को मतदाता दिवस की दिलायी गयी शपथ भी। उत्तर प्रदेश दिवस-2023 के दूसरे दिन बुधवार को क्षेत्रीय अभिलेखागार एवं राजकीय पांडुलिपी पुस्तकालय संस्कृति विभाग तथा जिला प्रशासन की ओर से ''निवेश एवं रोजगार'' पर आधारित प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन, विविध संस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन जिला पंचायत परिसर में किया गया कार्यक्रमों का शुभारम्भ जीजीआईसी इंटर कालेज, सीएवी कालेज, ज्वाला देवी, जगत तारन कालेज के छात्र एवं छात्राओं द्वारा चित्रकला, भाषण, पेंटिंग आदि कार्यक्रमो से किया गया कवि सम्मेलन में शैलेन्द्र मधुर, प्रीता बाजपेई, आभा श्रीवास्तव, पी0एन0 सिंह, मनमोहन सिंह तन्हा, नायब बलियावी आदि कवियों ने अपने काव्य पाठ द्धारा यूपी दिवस महोत्सव में एक से बढ़कर एक प्रस्तुती द्वारा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो को मतदाता दिवस की शपथ भी दिलायी गयी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उपस्थित लोगो ने आनंद उठाया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए जानकारियां प्राप्त की इस अवसर पर भोला नाथ कनौजिया जिला विकास अधिकारी, चंद्रबली पटेल, गुलाम सरवर पांडुलिपी अधिकारी, राकेश कुमार वर्मा प्राविधिक सहायक हरिशचंद्र दुबे प्राविधिक सहायक, रोशन लाल, अजय मौर्य , डा प्रभाकर त्रिपाठी तथा गणमान्य अतिथिगणों की उपस्थित रहे कार्यक्रम का संयोजन मो. मोहसिन नूरी क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी द्वारा किया गया।

13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रयागराज मुख्य विकास अधिकारी शिंपू गिरि ने दिलाई शपथ

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। 13 वे राष्ट्रीय मतदाता दिवस एव उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन बुधवार को जगत तारन गोल्डेन जुबली स्कूल, जार्जटाउन के रवीन्द्रालय हॉल में किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी शिपु गिरि और विशिष्ट अतिथि प्रो. असीम मुखर्जी रहे इस अवसर पर जगत तारन गोल्डेन जुबली स्कूल, जार्जटाउन, प्रयागराज के छात्रों द्वारा स्वागत गीत एवं मतदान के महत्व विषय पर कविता, जगत तारन गर्ल्स इण्टरमीडिएट कालेज की छात्राओं द्वारा एकांकी (नाटक) विषय श्मतदान के दिन घर में बच्चों की भूमिका तथा जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं द्वारा नाटक विषय श्लोकतंत्र में मतदान का महोत्सव का मंचन किया गया मंचन के बाद मै भारत हूँ गीत को भारत निर्वाचन आयोग की स्वीप वेबसाइट से डाउनलोड करके प्रोजेक्टर पर दिखाया गया तथा भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त का संदेश भी सुनाया गया इस अवसर पर प्रो. असीम मुखर्जी ने लोकतंत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की।

मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज शिपु गिरि ने मतदाता शपथ कराते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को अनिवार्य रूप से मतदान करना चाहिए आगामी निर्वाचनों में हमारा यह उद्देश्य होना चाहिए कि हम जनपद के मतदान प्रतिशत को और ऊपर ले जाए शिपु गिरि ने समस्त सहायक नोडल अधिकारियों, जिला मास्टर ट्रेनर, विधान सभा मास्टर ट्रेनर व आइकॉन (स्वीप) को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके उनका सम्मान किये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नगर)/प्रभारी अधिकारी (स्वीप) मदन कुमार, अपर उप जिलाधिकारी, सदर/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 262-इलाहाबाद उत्तर ज्योति मौर्य, डॉ. दीपशिखा बनर्जी, सुष्मिता कानूनगो, डॉ. नंदिनी तिवारी, डॉ. स्नेहसुधा, डॉ. राकेश पाण्डेय, शेषनाथ सिंह, डॉ. पी0के0 घोष, विश्वनाथ मिश्र, महेंद्र जैन, देवेंद्र कुमार सिंह के अलावा स्वीप आइकॉन अभिन्न श्याम गुप्ता, आर0 जे0 गोविंद, आशीष कुमार, सिद्धार्थ वर्मा, प्रो राजेश कुमार गर्ग, सोनाली चक्रवर्ती, अजय गुप्ता, रंगकर्मी प्रवीण शेखर, डॉ. के. एन. मिश्रा, डॉ. दीपक त्रिपाठी एवं श्रद्धा सिन्हा इत्यादि उपस्थित रहे धन्यवाद ज्ञापन अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी, प्रयागराज हर्षदेव पाण्डेय द्वारा किया गया।

शिवराज कैबिनेट की बैठक

महिला स्व सहायता समूहों को 3 लाख तक के लोन के ब्याज में 2 फीसदी की भरपाई सरकार करेगी

भोपाल एजेंसी।

आज मंत्रालय में सीएम शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट के बाद मप्र सरकार के प्रवक्ता डॉ नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि कल ओरछा में केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गड़करी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ओरछा रामराजा के बाल लोक बनाने और चित्रकूट में वनवासी राम लोक बनाने की घोषणा की थी। सिंगरौली में 25 हजार से ज्यादा लोगों को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्लॉट दिए थे। ये दोनों दिन मप्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।

कैबिनेट में 2 फरवरी को दिल्ली में बने नए मप्र भवन का लोकार्पण होगा। सभी मंत्री दिल्ली में रहेंगे, उसी दिन मंत्रिमंडल की बैठक भी दिल्ली में होगी। 5 से 25 फरवरी तक निकलने वाली विकास यात्रा की समीक्षा 5 फरवरी के पहले करने के सभी मंत्रियों को निर्देश दिए। आजीविका और शहरी आजीविका मिशन में महिला स्व सहायता समूह की राशि तीन लाख तक बैंक ऋण पर अतिरिक्त 2त्न ब्याज की प्रतिपूर्ति सरकार करेगी जो अब तक 3त्न लगता था ब्याज की छूट देने का बड़ा फैसला हुआ। जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को सीहोर में सूर्या फाउंडेशन ने जिस प्रकार से एक परिसर को लिया है उसी तरह से यदि कोई और संस्थाएं इस काम के लिए आगे आती हैं तो उन्हें यह काम सौंपा जाएगा।

नगरी निकाय में अधोसंरचना निर्माण योजना की स्वीकृति के लिए योजना शुरू की है इस योजना की अवधि 2 साल तक रहेगी 2022-23 और 2023-24 रहेगी। इस योजना में कुल 800 करोड रुपए खर्च होंगे। 2022-23 के लिए 200 करोड रुपए के बजट का प्रावधान है। बाकी 600 करोड़ की मंजूरी का प्रावधान भी आज की कैबिनेट बैठक में मंजूर हुआ। नर्मदा पुरम मुहासा बावड़ी मार्ग पर ह्यद्ध-22 तवा नदी पर फोर लोन स्तरीय पुल के लिए 148.97 करोड की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। सिवनी जिले के बंडोल सागर चंदौरी कला सड़क निर्माण के लिए 108.97 करोड़ की स्वीकृति दी गई। सीहोर जिले के बकतरा भारकच्छ शाहगंज मार्ग के लिए 121.83 करोड़ की स्वीकृति।

सीहोर के बकतरा सिया गहन सागपुर, बोदरा मार्ग के आंतरिक निर्माण के लिए 108.17 करोड़ की स्वीकृति। मुरैना जिले की एबीसी कैनाल निर्माण के लिए 106.7 करोड़ की मंजूरी। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज सागर में पीजी सीट बढ़ाने को भी मंजूरी दी गई यहां 85 सीटें बढ़ाने के लिए 101.46 करोड़ की स्वीकृति। लोक परिसंपत्ति विभाग ने गुना के पुराना बंगला को 3 करोड़ 59 लाख 27 हजार में देने की मंजूरी।

भोपाल के लांबाखेड़ा में 6 करोड़ 94 लाख 11 हजार में आवंटित करने का फैसला। संविदा शाला शिक्षक की कंडिका 5 में उल्लेखित प्रयोगशाला शिक्षक में प्रतिस्थापित करने में फैसला हुआ इस फैसले के बाद अनुकंपा नियुक्तियों की दिक्कतें दूर होंगी।

दिग्विजय ने केंद्र पर बोला हमला

सर्जिकल स्ट्राइक में कितनों को मारा इसका कोई प्रमाण नहीं

जम्मू । एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार सर्जिकल स्ट्राइक करने की बात करती है लेकिन उनमें कितने लोगों को मार गिराया इसका कोई सबूत नहीं है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के बयान राहुल नफरत की बात कर देश को बदनाम कर रहे हैं पर कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषणों को सुनना चाहिए।

वह खुलेआम लोगों को मारने की बात करके नफरत फैला रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने सवाल उठाते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 हटने से किसका फायदा हुआ। केंद्र की तरफ से कहा गया कि आतंकवाद खत्म हो जाएगा और हिंदुओं का बोलबाला होगा। मगर हालात अलग हैं। जब से अनुच्छेद 370 हटी है तक से आतंकवाद बढ़ा है। जम्मू कश्मीर में रोज कुछ ना कुछ हो रहा है। पहले आतंकी घटनाएं घाटी तक सीमित थी लेकिन अब राजोरी, डोडा तक पहुंच गई है।उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की समस्या का निदान नहीं करना चाहती है। यहां की समस्या कायम रखना चाहती है जिससे कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में बनती रहें और नफरत फैलती रहे।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का आरक्षित सीटों पर दबदबा कायम

हैदराबाद। एजेंसी

आंध्र प्रदेश में 2024 के विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों पर सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी अपना दबदबा बनाये हुए है। पीपुल्स पल्स रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (पीआरओ) की ओर से सोमवार को यहां जारी फर्स्ट ट्रैकर चुनाव सर्वेक्षण रिपोर्ट में इस आशय का दावा किया गया है। हैदराबाद स्थित राजनीतिक अनुसंधान संगठन द्वारा किए गए ट्रैकर पोल के मुख्य परिणाम के मुताबिक अगर आज चुनाव होते हैं, तो वाईएसआर कांग्रेस छह सीटों पर जीत हासिल करेगी और तेदेपा एक निर्वाचन क्षेत्र में जीतेगी। रिपोर्ट के मुताबिक वाईएसआर कांग्रेस को 44.25 फीसदी वोट शेयर मिलेगा जबकि तेदेपा को 39.39 फीसदी वोट शेयर और जनसेना पार्टी को 8.19 फीसदी वोट मिलेंगे। (प्लस या माइनस 3 प्रतिशत का त्रुटि मार्जिन)। वाईएसआर कांग्रेस अपने मुख्य विपक्षी दल तेदेपा से 4.86 प्रतिशत आगे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर तेदेपा और जनसेना के बीच कुछ समझौता होता है तो राज्य में अनुसूचित जनजाति के सभी सात आरक्षित सीटों पर मुकाबला काफी दिलचस्प होगा। सात आरक्षित सीटों में से वाईएसआर कांग्रेस, वर्तमान में रामपछोड़वरम, पडेरू, अराकू, सालूर, पलाकोंडा और कुरुपम में बढ़त बनाये हुए है जबकि तेदेपा पोलावरम में मजबूती से स्थापित है। वाईएसआरसीपी के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पार्टी तेदेपा से रामपछोड़वरम, पडेरू, अराकू व सालुर में 6-8 प्रतिशत अधिक वोट शेयर हैं जबकि वाईएसआरसीपी व तेदेपा के बीच पालकोंडा में केवल 1.31 प्रतिशत वोट शेयर का अंतर है। फर्स्ट ट्रैकर पोल के अनुसार, अभिनेता से राजनेता बने पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जनसेना पार्टी को रामपछोड़वरम में 13.97 प्रतिशत, अराकू में 9.23 प्रतिशत, कुरुपम में 9.09 प्रतिशत, पोलावरम में 7.27 प्रतिशत, पडेरू में 7.29, सालूर में 5.18 और पालकोंडा में 5.3 प्रतिशत वोट मिल सकता है। ट्रैकर पोल यह संकेत देता है कि जनसेना 2024 के विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाएगी। इसका दिलचस्प तथ्य यह भी है कि तेदेपा 2019 के अपने वोट शेयर में लगभग 9.6 प्रतिशत जोड़ रही है और फिर भी सात एसटी सीटों में से केवल एक पोलावरम जीत रही है, जहां वोट शेयर का अंतर केवल 1.93 प्रतिशत है। दूसरी ओर, वाईएसआरसीपी अपने लगभग 4.94 प्रतिशत वोट शेयर खो रही है।

संक्षेप खबर

रूस ने एस्टोनिया के राजदूत को निष्कासित किया

मास्को। रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि रूस एस्टोनिया के राजदूत को निष्कासित कर रहा है और देश में उसके राजनयिक मिशन का जिम्मा दूतावार प्रभारी संभालेंगे। मंत्रालय ने कहा कि एस्टोनिया के राजदूत मारगस लेद्रे को सात फरवरी तक देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। बयान में कहा गया है कि यूरोपीय संघ के देश एस्टोनिया के मास्को स्थित दूतावास में देश का राजनयिक प्रतिनिधित्व अब दूतावास प्रभारी करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि ''तालिन में रूसी दूतावास में कर्मचारियों की संख्या को अचानक कम करने के एस्टोनिया के मित्रता विरोधी कदम'' के विरोध में ऐसा किया गया है।

इराक के प्रधानमंत्री ने सेंट्रल बैंक के नए गवर्नर की नियुक्ति की

बगदाद। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने इराकी मुद्रा दीनार में एक हफ्ते से जारी गिरावट के बीच सोमवार को देश के सेंट्रल बैंक के नए गवर्नर की नियुक्ति की। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक प्रधानमंत्री ने यह कदम तब उठाया जब गवर्नर मुस्तफा गालेब मुखीफ ने उनसे कहा कि वह अब पद पर नहीं रहना चाहते हैं। मुखीफ 2020 से सेंट्रल बैंक के गवर्नर थे। उनकी जगह सेंट्रल बैंक के पूर्व गवर्नर मुहसेन अल-अलाक को नियुक्त किया गया है। दीनार शुक्रवार को नए निचले स्तर, डॉलर के मुकाबले करीब 1,670 पर पहुंच गया। नवंबर के मध्य से मुद्रा का लगभग सात प्रतिशत अवमूल्यन हो चुका है। डॉलर के लिए आधिकारिक दर 1,470 दीनार है। पिछले दो महीनों में गिरावट ने तेल समृद्ध लेकिन भ्रष्टाचार से ग्रस्त इराक के बाजारों को प्रभावित किया है, जहां कई लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित हुई है। इराक में कुछ ईरान समर्थित नेताओं ने अमेरिकी कोषागार विभाग द्वारा हाल के उपायों को गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिका ने ईरान के साथ काम करने वाले कई इराकी बैंक को प्रतिबंधित कर दिया है।

आर्थिक संकट के बावजूद बीते छह महीने में पाकिस्तान ने 1.2 अरब डॉलर की कारें और अन्य वाहन का किया आयात

इस्लामाबाद। चूक की कगार पर खड़े पाकिस्तान ने विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट के बीच बीते छह महीनों के दौरान 1.2 अरब डॉलर (259 अरब रुपये) महंगी कारों, अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके कलपुर्जों जैसी वस्तुओं के आयात पर खर्च किए हैं। एक रिपोर्ट में यह बताया गया है। देश भारी वित्तीय संकट से गुजर रहा है। उसका विदेशी विनिमय भंडार कम होकर चार अरब डॉलर रह गया है जिसकी वजह से केंद्रीय बैंक को आवश्यक वस्तुओं के आयात को भी कम करना पड़ा है। 'द न्यूज' की रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष परिवहन वाहनों और अन्य वस्तुओं के आयात में कटौती करने के बावजूद अर्थव्यवस्था महंगी लग्जरी गाड़ियों और गैर जरूरी वस्तुओं की खरीद पर होने वाले खर्च की वजह से दबाव में है। इन छह महीने के दौरान पाकिस्तान ने 53.05 करोड़ डॉलर (118.2 अरब रुपये) में पूर्ण रूप से निर्मित इकाइयों (सीबीयू), अलग-अलग कलपुर्जों में लाए गए उत्पाद (सीकेडी/एसकेडी) की खरीद की। अकेले दिसंबर में ही परिवहन क्षेत्र के लिए 14.07 करोड़ डॉलर का आयात किया गया जिसमें 4.75 करोड़ डॉलर में कारों का आयात हुआ। अखबार के मुताबिक आर्थिक संकट के बावजूद मौजूदा सरकार ने महंगी कारों के आयात से प्रतिबंध हटा लिया है और यह डॉलर में खर्च का प्रमुख कारण बन गया है।

तुर्किये में एक माह पहले होंगे चुनाव, 14 मई को पहले दौर का मतदान

अंकारा। तुर्किये में निर्धारित समय से एक माह पहले चुनाव का ऐलान किया गया है। अब राष्ट्रपति व संसद के लिए 14 मई को पहले दौर का मतदान होगा। तुर्किये में संसदीय चुनाव और राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 18 जून को होने थे। राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन की टीम की ओर से इस बात के संकेत मिल रहे थे कि इस बार तय समय से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। राष्ट्रपति की एके पार्टी के एक अधिकारी ने कहा था कि जून में चुनाव संभव नहीं होगा, क्योंकि उस समय गर्मियों की छुट्टियों का मौसम होगा और लोग यात्रा कर रहे होंगे। अब राष्ट्रपति एर्दोगन की निर्धारित समय से पहले चुनाव कराने की घोषणा से यह कयास सही साबित हुए हैं। एर्दोगेन ने बर्सा प्रांत में आयोजित युवाओं के एक सम्मेलन में 14 मई को पहले दौर के मतदान का ऐलान किया। माना जा रहा है कि एर्दोगन एक बार फिर राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। एर्दोगन 2003 से 2014 तक तुर्किये के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और और 2014 से तुर्किये के राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 14 मई को पहले दौर के मतदान में यदि कोई उम्मीदवार 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल नहीं कर पाएगा, तो 28 मई को दूसरे दौर का मतदान होगा। 14 मई को चुनाव कराए जाने का विपक्षी गठबंधन ने भी समर्थन किया है। छह दलों के विपक्षी गठबंधन ने अभी तक राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं घोषित किया है। संसद में तीसरी सबसे बड़ी, कुर्द-समर्थक पार्टी को अब तक गठबंधन से बाहर रखा गया है। कहा गया है कि वह अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकती है। 68 वर्षीय एर्दोगन ने 2018 में शासन की एक नई प्रणाली शुरू की थी। इसमें प्रधानमंत्री के कार्यालय को समाप्त कर अधिकांश शक्तियों को राष्ट्रपति के हाथों में केंद्रित कर दिया गया था। इससे पहले राष्ट्रपति का कार्यालय मुख्य रूप से एक औपचारिक पद था। नई व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव एक ही दिन होते हैं।

रूस के साथ वीजा मुक्त आवागमन पर विचार कर रहा है मेक्सिको

मॉस्को। मेक्सिको के अधिकारी रूस के साथ वीजा मुक्त आवागमन शुरू करने की संभावना पर रूस के सहयोगियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। रूस के समाचारपत्र 'इज्वेस्तिया' ने मेक्सिको स्थित रूसी दूतावास का हवाले से बताया कि विदेश मंत्रालयों और स्थानीय प्रशासन के स्तर पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। इज्वेस्तिया के अनुसार, यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि मैक्सिको और रूस के बीच उड़ानें कब शुरू होंगी। रूस की फेडरल एजेंसी फॉर टूरिज्म (रोस्टूरिज्म) ने मार्च में रूसी नागरिकों से उन देशों की यात्रा करने से बचने की सिफारिश की, जिन्होंने यूक्रेन में विशेष अभियान के लिए रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाए थे। रोस्टूरिज्म के अनुसार, यूरोपीय संघ और कनाडा के हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण मेक्सिको जैसे कुछ लैटिन अमेरिकी देशों सहित कई गंतव्य अब रूसी पर्यटकों के लिए उपलब्ध नहीं हैं, और वहां यात्रा करना काफी खतरनाक हो गया है।

जापान में कोरोना से जनवरी में अब तक आठ हजार से अधिक लोगों की मौत

टोक्यो। जापान में जनवरी में अब तक कोरोना वायरस महामारी से संबंधित 8,103 मौतें हुई है। जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में देश भर में कोविड-19 से 326 लोगों की मौत हुई है। पिछले 12 दिनों में इस बीमारी से पांच हजार से अधिक लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2022 की शुरुआत से जापान में कोविड से संबंधित मौतों में वृद्धि हो रही हैं। महामारी के कारण 2020 से अब तक कुल 65,400 लोगों की मौत हो चुकी है। अक्टूबर में 1,800 लोगों की, इसके बाद नवंबर में 3,000 से अधिक और दिसंबर में 7,600 लोगों की इस बीमारी से मौत हुई। इन सभी मौतों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 97 प्रतिशत रही हैं। जापान में अगर जनवरी में इसी तरह कोरोना वायरस लोगों की मौत होती रही तो यह आंकड़ा इस माह के अंत तक 10 हजार से अधिक हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौतों की संख्या में वृद्धि बीमारी की जटिलताओं के बढ़ते जोखिम के कारण नहीं हुई है, बल्कि कोविड-19 के कारण निमोनिया और हृदय संबंधी विकारों, स्ट्रोक और दिल के दौरे से अधिक मौतें हुई हैं।

क्रिस हिपकिंस बने न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री, जेसिंडा अर्डर्न की हुई विदाई

वेलिंगटन। एजेंसी

क्रिस हिपकिंस, न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। बुधवार को उन्होंने देश के 41वें प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। न्यूजीलैंड की सरकारी प्रसारणकर्ता कंपनी ञ्हँ ने यह जानकारी दी है। जेसिंडा अर्डर्न ने आज सुबह बतौर प्रधानमंत्री आखिरी बार न्यूजीलैंड की संसद पहुंची, वहां से वह सीधे गवर्नमेंट हाउस गईं, जहां उन्होंने अपना इस्तीफा सौंपा। कारमेल सेपुलोनी ने बतौर डिप्टी प्रधानमंत्री पद संभाला। पद संभालने के बाद हिपकिंस ने संकेत दिए हैं कि बढ़ती महंगाई से निपटना उनकी कैबिनेट की प्राथमिकता होगी। हिपकिंस पहली बार साल 2008 में न्यूजीलैंड की संसद के लिए चुने गए थे। कोरोना महामारी के दौरान नवंबर 2020 में उन्हें बतौर मंत्री कोरोना से निपटने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके अलावा हिपकिंस पुलिस मंत्रालय, शिक्षा और जनसेवा जैसे मंत्रालयों का भी जिम्मा संभाल चुके हैं। इससे पहले बीते दिनों जेसिंडा अर्डर्न ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर सभी को चौंका दिया था। जेसिंडा अर्डर्न के इस्तीफे के बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री पद के लिए दावेदारों के नाम की चर्चा शुरू हो गई थी।

जिसमें बाजी क्रिस हिपकिंस के हाथ लगी। अपने इस्तीफे का ऐलान करते हुए जेसिंडा अर्डर्न ने कहा कि वह जानती हैं कि प्रधानमंत्री का पद काफी जिम्मेदारी और समर्पण मांगता है लेकिन अब वह इसके साथ न्याय नहीं कर पा रही हैं, इसलिए पद से हट रही हैं लेकिन कई साथी हैं, जो इस जिम्मेदारी को बखूबी निभा सकते हैं।

पाकिस्तान में राष्ट्रीय ग्रिड फ्रीक्वेंसी कम होने के कारण देशभर में बिजली हुई गुल

लाहौर। एजेंसी

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय ग्रिड की फ्रीक्वेंसी कम होने के कारण सुबह से देश भर में बिजली गुल हो गई। मंत्रालय ने ट्वीट किया, ÷प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, नेशनल ग्रिड की सिस्टम फ्रीक्वेंसी आज सुबह 0734 बजे कम हो गई, जिसके कारण बिजली व्यवस्था व्यापक रूप से ठप हो गई है।

बिजली मंत्री खुर्रम दस्तगीर ने बताया कि आर्थिक उपाय के तहत ईंधन की बचत करने के लिए रात में बिजली उत्पादन इकाइयों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है। श्री दस्तगीर ने कहा, ÷आज सुबह साढ़े सात बजे जब सिस्टम एक-एक करके चालू किए गए तो देश के दक्षिणी हिस्से में जमशोरो और दादू के बीच फ्रीक्वेंसी में तबदीली की सूचना मिली। वोल्टेज में उतार-चढ़ाव आया और सिस्टम एक-एक करके बंद हो गए। यह कोई बड़ा संकट नहीं है।÷ उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने तारबेला और वारसाक में कुछ ग्रिड स्टेशनों को बहाल करना शुरू कर दिया है। उन्होंने दावा किया, ÷पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (पीईएससीओ) और इस्लामाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (आईईएससीओ) के कुछ ग्रिड पहले ही बहाल कर दिए गए हैं।÷ इस बीच, कराची के कई इलाकों में बिजली गुल रहने की भी खबर है। के-इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने इसका कारण साझा नहीं किया है। आईईएससीओ के प्रवक्ता ने कहा कि उसके 117 ग्रिड स्टेशन में बिजली नहीं है।

इमरान खान के करीबी नेता फवाद चौधरी गिरफ्तार, चुनाव आयोग को धमकाने का आरोप

इस्लामाबाद। एजेंसी

पाकिस्तान आर्थिक संकट से उबर नहीं पा रहा है और अब वहां राजनैतिक अस्थिरता भी बढ़ती जा रही है। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी नेता फवाद चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि फवाद चौधरी ने पाकिस्तान के चुनाव आयोग को खुलेआम धमकी दी थी। फवाद चौधरी ने सार्वजनिक तौर पर पाकिस्तान के चुनाव आयोग को धमकाया और मौजूदा सरकार पर पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के मुखिया इमरान खान की गिरफ्तारी की साजिश रचने का आरोप भी लगाया। इस्लामाबाद पुलिस ने भी फवाद चौधरी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, फवाद चौधरी के खिलाफ बीती रात इस्लामाबाद के कोहसर पुलिस स्टेशन में पाकिस्तानी चुनाव आयोग के सचिव उमर हमीद की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में कहा गया कि फवाद चौधरी ने चुनाव आयोग और इसके सदस्यों को धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया। आरोप है कि लाहौर में इमरान खान के घर के बाहर एक जनसभा को संबोधित करते हुए फवाद चौधरी ने चुनाव आयोग के सदस्यों के परिजनों को भी धमकी दी। आरोप है कि फवाद चौधरी ने पाकिस्तानी चुनाव आयोग की तुलना एक मुंशी से की। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीटीआई नेता फवाद चौधरी को लाहौर में ठोकर नियाज बेग इलाके में स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद लाया गया। पीटीआई और इसके नेताओं ने फवाद चौधरी की गिरफ्तारी की आलोचना की है और सरकार को निशाने पर लिया है। पाकिस्तान में इस तरह की चर्चाएं हैं कि पीटीआई नेता इमरान खान को जल्द गिरफ्तार किया जा सकता है। इसके बाद बड़ी संख्या में इमरान खान के समर्थक लाहौर के जमान पार्क स्थित इमरान खान के घर पर इकट्ठा हो गए। फवाद चौधरी ने इमरान खान की संभावित गिरफ्तारी को लेकर सरकार को निशाने पर लिया और देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया। इमरान खान की गिरफ्तारी की साजिश रचने वालों को फवाद चौधरी ने गद्दार तक कह दिया।

यूक्रेन में पीड़ितों को बचाने के दौरान दो ब्रिटिश नागरिकों की मौत, कार पर गिरा तोप का गोला

कीव । एजेंसी

युद्धग्रस्त यूक्रेन में दो ब्रिटिश नागरिकों के मारे जाने की खबर है। दोनों ब्रिटिश नागरिक वालंटियर के तौर पर यूक्रेन में थे और लोगों की मदद कर रहे थे। एक बुजुर्ग महिला की जान बचाते हुए दोनों की जान गई। यूक्रेन में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों की पहचान 28 वर्षीय क्रिस पैरी और 47 वर्षीय एंड्रयू बागशॉ के रूप में हुई है। दोनों यूक्रेन के सोलेदार शहर में मारे गए, जब एक बुजुर्ग महिला को सोलेदार से सुरक्षित स्थान पर ले जाते हुए उनकी कार विस्फोट का शिकार हो गई। एंड्रयू बागशॉ एक जेनेटिक रिसर्च साइंटिस्ट थे और स्वैच्छिक रूप से यूक्रेन में रहकर लोगों की मदद कर रहे थे।

बागशॉ बीते साल अप्रैल से यूक्रेन में मौजूद थे। बागशॉ का परिवार फिलहाल न्यूजीलैंड में रहता है और उनके शव को न्यूजीलैंड भी भेजा जाएगा।

बागशॉ के परिवार ने एक बयान जारी कर सभी देशों से अपील की है कि यूक्रेन युद्ध को रोका जाए और यूक्रेन को अपनी जमीन पर एक अतिक्रमणकारी से छुटकारा मिल सके। वहीं क्रिस पैरी के परिवार का कहना है कि वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे और दुनिया घूमना चाहते थे। बीते साल मार्च में पैरी यूक्रेन गए थे। इसके बाद ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था, जिसके बाद पैरी ने यूक्रेन में ही रहकर स्थानीय लोगों की मदद की और इस दौरान उन्होंने 400 से ज्यादा लोगों और आवारा जानवरों की जान बचाई। बता दें कि रूस, इन दिनों यूक्रेन के सोलेदार शहर पर कब्जे की कोशिश कर रहा है। रूस का खूंखार वैगनर ग्रुप इस काम में रूस की सेना की मदद कर रहा है। वैगनर ग्रुप ने ही मारे गए दोनों ब्रिटिश नागरिकों की तस्वीरें जारी कर बताया था कि दोनों के शव बरामद हुए हैं।

इजराइल में प्रस्तावित कानून का विरोध, सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

येरुशलम। इजराइल में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलटने का अधिकार सरकार को देने संबंधी प्रस्तावित कानून का जोरदार विरोध हो रहा है। गुस्साए लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट का निर्देश मानकर देश के गृहमंत्री को हटा दिया गया है। इजराइल में बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने देश के गृह व स्वास्थ्य मंत्री आरयेह डेरी को हटाने के निर्देश प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू को दिये थे। इसके बाद देश में न्यायिक बदलाव की बातें शुरू हो गई थीं। सरकार ने एक ऐसे कानून का प्रस्ताव किया था, जिसके पारित होने के बाद सरकार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश को भी पलटने का अधिकार मिल सकता है। नेतान्याहू सरकार अपने इस कदम को शक्ति असंतुलन से मुक्ति की राह करार दे रही है।

ब्रिटेन की ऑनलाइन याचिका में मोदी पर बीबीसी के वृत्तचित्र के लिए स्वतंत्र जांच की मांग

लंदन। एजेंसी

एक नयी ऑनलाइन याचिका में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादास्पद वृत्तचित्र श्रृंखला को लेकर ब्रिटेन में सार्वजनिक प्रसारक के रूप में बीबीसी द्वारा अपने कर्तव्यों का ''गंभीर उल्लंघन'' किए जाने की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। 'चेंज डॉट ओआरजी' पर 'मोदी संबंधी वृत्तचित्र को लेकर बीबीसी से एक स्वतंत्र जांच के आह्वान' के साथ ''संपादकीय निष्पक्षता के उच्चतम मानकों'' को पूरा करने में विफल रहने के लिए ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) की ''कड़ी निंदा'' की गई है। रविवार की रात याचिका के ऑनलाइन होने के बाद से इस पर 2,500 से अधिक हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। याचिका में 'इंडिया- द मोदी क्वेश्चन' वृत्तचित्र के जरिए ''अपने दर्शकों को जानबूझकर गलत जानकारी देने वाली दुष्प्रचार पत्रकारिता'' का हिस्सा बताते हुए बीबीसी की आलोचना की गई है। इस वृत्तचित्र का पहला भाग पिछले सप्ताह प्रसारित हुआ था और दूसरा मंगलवार को प्रसारित होने वाला है। याचिका में लिखा है, ''हम दो खंड वाले वृत्तचित्र 'इंडिया- द मोदी क्वेश्चन' में संपादकीय निष्पक्षता के उच्चतम मानकों को पूरा करने में विफल रहने के लिए बीबीसी की कड़ी निंदा करते हैं।'' याचिका में मांग की गई है, ''हम बीबीसी बोर्ड से सार्वजनिक प्रसारक के रूप में अपने कर्तव्यों के इस गंभीर उल्लंघन की स्वतंत्र रूप से जांच करने और निष्कर्षों को पूर्ण रूप से प्रकाशित करने का आह्वान करते हैं।''

ब्रिटेन में मीडिया पर निगरानी रखने वाली संस्था द ऑफिस ऑफ कम्युनिकेशंस (ओएफसीओएम) से बीबीसी को जवाबदेह बनाए जाने की मांग भी की गई है। याचिका में कहा गया है कि ''सामग्री मानकों को सुरक्षित करने में कई बार नाकामी हुई है और प्रसारक के साथ जरूरी सुधार और स्पष्टीकरण को लेकर आवश्यक चर्चा करने का आग्रह किया जाता है।'' याचिका के आयोजकों का दावा है कि वृत्तचित्र ''एजेंडा संचालित रिपोर्टिंग और संस्थागत पूर्वाग्रह का उदाहरण है जो विश्व स्तर पर इस सम्मानित संगठन की अब विशेषता है।'' याचिका में कहा गया, ''करीब 21 साल बादएक तथाकथित खोजी रिपोर्ट को प्रसारित करने का समय भी काफी कुछ बताता है। रिपोर्ट में कुछ भी नया नहीं है, बल्कि पुराने आरोपों के बारे में पूर्वनिर्धारित निष्कर्ष अपने आप में बहुत कुछ कहते हैं।'' इसमें कहा गया, ''यह बेवजह है। यह ऐसे समय में आया है जब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक लंबी जांच और उचित प्रक्रिया के बाद, प्रधानमंत्री मोदी को 2002 के दंगों में मिलीभगत के आरोपों से पूरी तरह से दोषमुक्त कर दिया है, जिन्हें बीबीसी अब दो दशकों से अधिक समय के बाद उठाना चाहता है।''

कई हस्ताक्षरकर्ताओं ने भी इसी तरह की भावनाओं को व्यक्त करते हुए इसे 'दुष्प्रचार' बताया और ''दुर्भावनापूर्ण एजेंडा'' चलाने के लिए बीबीसी की निंदा की। इससे पूर्व भारत सरकार ने कार्यक्रम की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'दुष्प्रचार का हिस्सा' बताया था। बीबीसी ने वृत्तचित्र श्रृंखला को ''उच्चतम संपादकीय मानकों के अनुसार गहन शोध'' पर आधारित बताते हुए इसका बचाव किया है।

अमेरिका में बैटन रूज के नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में 12 लोग घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका के लुइसियाना प्रांत के बैटन रूज के एक नाइट क्लब में हुई गोलीबारी में 12 लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह रिपोर्ट दी हैं। डब्ल्यूएएफबी टेलीविजन ने पुलिस का हवाले से बताया कि गोलीबारी स्थानीय समयानुसार 0130 बजे रविवार देर रात हुई। डब्ल्यूएएफबी के अनुसार गोली लगने के 12 लोग घायल हुए है जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी बैटन रूज के मेयर-अध्यक्ष शेरोन वेस्टन ब्रूम ने एक बयान में कहा, ÷मैंने कई सामुदायिक संगठनों से अनुरोध किया है कि वे पीड़ितों और उनके परिवारों तक पहुंचें और आवश्यक सेवाएं और निरंतर सहायता प्रदान करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस घटना से कोई प्रतिशोध न हो।

यूक्रेन को अधिक शक्तिशाली हथियार देने वाले देश तबाही को स्वयं आमंत्रित कर रहे : रूस

कीव। एजेंसी

रूसी संसद के निचले सदन के अध्यक्ष ने यूक्रेन को अधिक शक्तिशाली हथियार देने वाले देशों को चेतावनी दी कि ऐसा करके वे अपने विनाश का खतरा स्वयं पैदा कर रहे है। इस संदेश के बाद देशों ने यूक्रेन को बख्तरबंद वाहन, वायु रक्षा प्रणालियां और अन्य हथियार देने का नया संकल्प लिया, लेकिन जर्मनी ने युद्धक टैंक लैपर्ड-2 की आपूर्ति के लिए हामी नहीं भरी। यूक्रेन के समर्थकों ने जर्मनी में रामस्टीन एयर बेस में एक बैठक के दौरान यूक्रेन को अरबों डॉलर की सैन्य सहायता देने का वादा किया, लेकिन जर्मन निर्मित लैपर्ड-2 युद्धक टैंकों की आपूर्ति संबंधी यूक्रेन के अनुरोध पर सहमति नहीं बन पाई। लैपर्ड-2 का मामला रविवार रात उस समय समाधान तक पहुंचता दिखाई दिया, जब जर्मनी की विदेश मंत्री अन्नालेना बाएरबॉक ने कहा कि यदि पोलैंड यूक्रेन को अपने कुछ लैपर्ड देने का फैसला करता है, तो उनके देश को इससे कोई आपत्ति नहीं है। फ्रांसीसी टीवी चैनल 'एलसीआई' ने विदेश मंत्री से साक्षात्कार की क्लिप साझा की, जिनमें वह यह कहती दिख रही हैं कि उनकी सरकार को पोलैंड से कोई औपचारिक अनुरोध नहीं मिला है, लेकिन ''यदि हमसे पूछा जाता है, तो हम विरोध नहीं करेंगे।'' इससे पहले, रूसी संसद के निचले सदन 'स्टेट डूमा' के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन ने कहा कि यूक्रेन को और शक्तिशाली हथियार दे रही सरकारें एक ''वैश्विक त्रासदी का कारण बन सकती हैं, जो उनके देशों को भी तबाह कर देगी।'' उन्होंने कहा, ''कीव शासन को आक्रामक हथियारों की आपूर्ति से वैश्विक तबाही होगी।'' वोलोदिन ने कहा, ''यदि वाशिंगटन और नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) हथियारों की आपूर्ति करते हैं और उनका उपयोग शांतिपूर्ण शहरों पर हमला करने और हमारे क्षेत्र पर कब्जा करने के प्रयासों के लिए किया जाता है, जैसा कि वे धमकी दे चुके हैं, तो और अधिक शक्तिशाली हथियारों के साथ इसका जवाब दिया जाएगा।'' जर्मनी यूक्रेन को हथियार देने वाले मुख्य देशों में शामिल है और उसने संभावित हरी झंडी के लिए अपने लैपर्ड 2 भंडार की समीक्षा का आदेश दिया है, लेकिन जर्मन सरकार यूक्रेन को लेकर प्रतिबद्धता बढ़ाने की दिशा में हर कदम सावधानी से रख रही है। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने रविवार को कहा कि वह यूक्रेन में लेक्लर्क युद्धक टैंक भेजने की संभावना से इनकार नहीं करते और उन्होंने अपने रक्षा मंत्री से इस विचार पर ''काम'' करने को कहा है। मैक्रों ने पेरिस में जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह कहा। फ्रांस और जर्मनी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की मित्रता संधि की 60 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

इमरान खान पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री की नियुक्ति को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे

लाहौर। एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि वह पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में मोहसिन नकवी की नियुक्ति को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे। उन्होंने उन्हें अपनी पार्टी का दुश्मन बताया और देश को हल्के में लेने के लिए निर्वाचन आयोग की आलोचना की। नकवी को रविवार रात पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। इसके कुछ घंटे पहले ही पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने सर्वसम्मति से उन्हें इस पद पर नियुक्त करने का फैसला किया था। उनकी नियुक्ति सत्तारूढ़ दल और प्रांत में विपक्ष के बीच, इस पद के लिए एक नाम पर आम सहमति न बन पाने के बाद की गई। पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज द्वारा सुझाए गए दो उम्मीदवारों में से एक नकवी एक मीडिया हाउस के मालिक हैं और पीपीपी नेता आसिफ अली जरदारी के करीबी माने जाते हैं। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नकवी को भ्रष्टाचार में जरदारी का मुखौटा÷ कहती है। खान ने एक ट्वीट में कहा, ÷पीएमएल-एन का अपने खुद के अंपायर चुनने का इतिहास रहा है, लेकिन यह अविश्वसनीय है कि कैसे ईसीपी ने पीटीआई के कट्टर दुश्मन को पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में चुना है। यह पद एक गैर-पक्षपातपूर्ण व्यक्ति के लिए है।÷ पीटीआई प्रमुख ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को नकवी के ÷सौदे÷ की तस्वीर पोस्ट करते हुए अनुरोध किया कि उन्हें हैरिस स्टील मिल्स भ्रष्टाचार मामले में ÷याचिका सौदा÷ के रूप में 35 लाख रुपये का भुगतान करने की अनुमति दी जाए। उन्होंने रविवार को कहा, ÷ईसीपी ने हमारे लोकतंत्र को मजाक बनाकर पाकिस्तान को ''हल्के में'' लिया है। खान ने कहा कि नकवी को पंजाब में चुनाव में देरी करने और पीटीआई को नुकसान पहुंचाने का काम सौंपा गया है।

दर्द व बीमारी का मूल कारण - संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमारे सभी दु:खों और कष्टों का मूल कारण यह है कि हम प्रभु से दूर हो गए हैं। जब हम किसी से बात करते हैं या देखते हैं कि संसार में क्या हो रहा है, तब हम पाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी प्रकार की समस्या है। किसी को शारीरिक समस्या है या किसी को आर्थिक समस्या है, किसी को भावनात्मक पीड़ा है तो किसी को संबंधों में समस्या होती है। जीवन की भिन्न-भिन्न गतिविधियों में से गुज़र रहे लोगों को किसी न किसी प्रकार की समस्या होती ही है।

जब हम दूसरे लोगों से बात करते हैं, तब हम पाते हैं कि सभी को अपनी-अपनी परिस्थितियों के हिसाब से समस्या है, जिसमें कि हर एक व्यक्ति को अपनी समस्या हमेशा सबसे बड़ी लगती है। हमारे लिए यह समस्या शायद कुछ भी मायने न रखती हो किंतु संबंधित व्यक्ति के लिए एक बहुत बड़ी बात होती है और उस हल करने के लिए वह हर संभव प्रयास करता है। जब जीवन की सभी कटिनाईयों का मूल कारण प्रभु से दूरी है तो हम ऐसा कौन सा कार्य करें जिससे कि वह दूरी खत्म हो जाए ताकि हमारे जीवन में कोई समस्या ही न रहे। जब हमारी आत्मा प्रभु से एकमेक हो जाती है, तभी ये दूरी मिटती है और फिर हमारे जीवन में कोई दु:ख-दर्द और तकलीफ नहीं रहती और हम खुशी और आनंद की एक ऐसी अवस्था प्राप्त कर लेते हैं जो सदा-सदा रहने वाली है, जिसका कि कभी अंत नहीं होता।

जीवन में कई बार बहुत सारे ऐसे क्षण आते हैं जब हम अपने आपको खुशी और आनंद से भरा हुआ महसूस करते हैं और हमें लगता है कि सब कुछ अच्छा हो रहा है। मान लीजिये कि आप फुटबाल की टीम में हैं। यदि आपकी टीम जीतती है तब आपको बहुत अधिक खुशी और आनंद मिलता है। वह खुशी चाहे आधे घंटे, एक घंटे, दो या तीन घंटे की हो सकती है। खुशी की इस अवस्था में हम ऐसी किसी भी समस्या के बारे में नहीं सोचते जिसका हम सामना कर रहे होते हैं। चाहे हमें किसी ने चोट ही क्यों न पहुँचाई हो, तब हम उस दर्द के बारें में नहीं सोचते। क्यों? क्योंकि तब हम आनंद की अवस्था में होते है लेकिन कुछ क्षण बाद वह खुशी दूर हो जाती है। परंतु एक बार जब हम ध्यान-अभ्यास के द्वारा अपने अंतर में प्रभु की ज्योति और श्रुति से जुड़ते हैं तो हम अपने भीतर अनंत खुशी और शांति का अनुभव करते हैं जोकि हमेशा-हमेशा के लिए हमारे साथ रहती है।

तो आईये! हम सब ध्यान-अभ्यास में प्रतिदिन समय दें ताकि अपने अंतर में हम प्रभु से जुड़ सकें, जिनका कि हम अंश हैं। यदि हम ऐसा करेंगे तो हम देखेंगे कि हमारा जीवन सुख, शांति व प्रेम से भरपूर हो जाएगा।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

ज्ञान का महापर्व है बसन्त पंचमी

देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती की पूजा करते हैं। माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा) - 26 जनवरी बसन्त पंचमी पर विशेष

वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है।बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती की पूजा करते हैं। माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है।बसन्त पंचमी के पर्व से ही बसंत ऋतु का आगमन होता है। शांत ठंडी मंद वायु कटु शीत का स्थान ले लेती है तथा सब को नवप्राण व उत्साह से स्पर्श करती है। बसन्त ऋतु तथा पंचमी का अर्थ है शुक्ल पक्ष का पांचवां दिन। अंग्रेजी कलेंडर के अनुसार यह पर्व जनवरी-फरवरी तथा हिन्दू तिथि के अनुसार माघ के महीने में मनाया जाता है। बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वो पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है। ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है। वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं। सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है।चूंकि बसन्त पंचमी का पर्व इतने शुभ समय में पड़ता है। अतः इस पर्व का स्वतः ही आध्यात्मिक धार्मिक वैदिक आदि सभी दृष्टियों से अति विशिष्ट महत्व परिलक्षित होता है। प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह अपनी बनाई हुई सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्मा जी को अपनी बनाई सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था। लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि एसा क्या किया जाए कि सभी बोले और खुशी में झूमे। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल लेकर कमल पुष्पों तथा धरती पर छिडका। जल छिडकने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे। एक हाथ में वीणा दूसरे हाथ में कमल तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्मा जी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कण्ठ में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वता के बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्मा जी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी सरस्वती के नाम से जाना जाएगा। कडकड़ाती ठंड के बाद बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। पलाश के लाल फूल आम के पेड़ों पर आए बौर हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को सुहाना बना देती है। यह ऋतु सेहत की दृष्टि से भी बहुत अच्छी मानी जाती है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। देश के कई स्थानो पर पवित्र नदियों के तट और तीर्थ स्थानों पर बसंत मेला भी लगता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में तो बसंत पंचमी के दिन से ही लोग समूह में एकत्रित होकर रात में चंग ढफ बजाकर धमाल गाकर होली के पर्व का शुभारम्भ करते है। बसन्त पंचमी के दिन विद्यालयों में भी देवी सरस्वती की आराधना की जाती है। भारत के पूर्वी प्रांतों में घरों में भी विद्या की देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की जाती है और वसन्त पंचमी के दिन उनकी पूजा की जाती है। उसके बाद अगले दिन मूर्ति को नदी तालाब में विसर्जित कर दिया जाता है। देवी सरस्वती को ज्ञान कला बुद्धि गायन-वादन की अधिष्ठात्री माना जाता है। इसलिए इस दिन विद्यार्थी लेखक और कलाकार देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। विद्यार्थी अपनी किताबें लेखक अपनी कलम और कलाकार अपने संगीत उपकरणो और बाकी चीजें मां सरस्वती के सामने रखकर पूजा करते हैं। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

प्रकृति परिवर्तन और देवी सरस्वती का पर्व है बसंत पंचमी!

(लेखक - सुनील माथुर)

धार्मिक मान्यता है कि सृष्टि के आरम्भ में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा जी ने जीवों की रचनाकर सृष्टि को जीवोमय किया। तभी मनुष्य का भी उदभव हुआ।लेकिन अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे उन्हें लगा कि कुछ कमी रह गई है जिसके कारण चारों ओर मौन छाया हुआ है। भगवान विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कम्पन होने लगा। तभी एक चतुर्भुजी स्त्री के रूप में अदभुत शक्ति का प्राकट्य हुआ जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला प्रतिष्ठित थीं।कहते है ब्रह्मा जी ने प्रकट हुई सरस्वती देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुर नाद किया संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल हो गया व हवा चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्माजी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती नाम दिया। मां सरस्वती को बागीश्वरी भगवती शारदा वीणावादिनी और बाग्देवी आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। यह देवी विद्या और बुद्धि की प्रदाता हैं संगीत की उत्पत्ति करने के कारण यह संगीत की देवी भी कहलाती हैं।वही वसंत पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने मां सरस्वती को वरदान दिया था कि उनकी प्रत्येक ब्रह्मांड में माघ शुक्ल पंचमी के दिन विद्या आरम्भ के शुभ अवसर पर पूजा होगी। श्रीकृष्ण के वर प्रभाव से प्रलयपर्यन्त तक प्रत्येक कल्प में मनुष्य मनुगण देवता मोक्षकामी वसु योगी सिद्ध नाग गन्धर्व और राक्षस आदि सभी बड़ी भक्ति के साथ सरस्वती की पूजा करेंगे। पूजा के अवसर पर विद्वानो द्वारा सम्यक् प्रकार से मां सरस्वती का स्तुति-पाठ होगा। भगवान श्री कृष्ण ने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की पूजा की तत्पश्चात ब्रह्मा विष्णु शिव और इंद्र आदि देवताओं ने मां सरस्वती की आराधना की। तबसे मां सरस्वती सम्पूर्ण प्राणियों द्वारा सदा पूजित हो रही है। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को पीले रंग का फूल और फूल अर्पण किए जाते हैं। शुभ मुहूर्त में कई गई पूजा और साधना का भी महत्व है। यह दिन बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इसलिए श्रद्धालु गंगा मां के साथ-साथ अन्य पवित्र नदियों में डुबकी लगाने के साथ आराधना भी करते है। वहीं इस समय फूलों पर बाहर आ जाती है खेतों में सरसों के फूल चमकने लगते हैं गेहूं की बालियां भी खिलखिला उठती हैं। इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनने के साथ पतंग और स्वादिष्ट चावल बनाए जाते हैं। पीला रंग बसंत का प्रतीक है।संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोग इस दिन का सालभर से इंतजार करते हैं। बसंत पंचमी के अवसर पर इस साल दो उत्तम योग बन रहे हैं जिसके कारण पूरे जिन शुभ कार्य किए जा सकते हैं। खासतौर पर अमृत सिद्धि योग और रवि योग का संयोग इस दिन को और भी खास बना रहा है। यही नहीं बसंत पंचमी इस बार रेवती नक्षत्र में मनाई जा रही है। इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनकर सुबह सवेरे मां सरस्वती की अराधना करते हैं। बसंत पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठना चाहिए। कोशिश करनी चाहिए कि सूर्योदय से कम से कम दो घंटे पहले बिस्तर छोड़ देने चाहिए।बसंत पंचमी के दिन स्नान करके साफ कपड़े पहनने चाहिए। बसंत पंचमी के दिन मंदिर की सफाई करनी चाहिए। मां सरस्वती को पूजा के दौरान पीली वस्तुएं अर्पित करनी चाहिए। जैसे पीले चावल बेसन का लड्डू आदि।सरस्वती पूजा में पेन किताब पेंसिल आदि को जरूर शामिल करना चाहिए और इनकी पूजा करनी चाहिए।बसंत पंचमी के दिन लहसुन प्याज से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। महाकवि कालिदास ने ऋतुसंहार नामक काव्य में इसे सर्वप्रिये चारुतर वसंते कहकर अलंकृत किया है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने ऋतूनां कुसुमाकरा: अर्थात मैं ऋतुओं में वसंत हूं कहकर वसंत को अपना स्वरुप बताया है। वसंत पंचमी के दिन ही कामदेव और रति ने पहली बार मानव हृदय में प्रेम और आकर्षण का संचार किया था। इस दिन कामदेव और रति के पूजन का उद्देश्य दांपत्य जीवन को सुखमय बनाना है जबकि सरस्वती पूजन का उद्देश्य जीवन में अज्ञानरूपी अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश उत्पन्न करना है।बसंत पंचमी के दिन यथाशक्ति ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः का जाप करें। माँ सरस्वती का बीजमंत्र ऐं है जिसके उच्चारण मात्र से ही बुद्धि विकसित होती है। इस दिन से ही बच्चों को विद्या अध्ययन प्रारम्भ करवाना चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि कुशाग्र होती है और माँ सरस्वती की कृपा बच्चों के जीवन में सदैव बनी रहती है।इस साल बसंत पंचमी का शुभारंभ शिव योग में होगा। 25 जनवरी को शाम 06 बजकर 15 मिनट से लेकर अगले दिन यानी 26 जनवरी को दोपहर 03 बजकर 29 मिनट तक शिव योग रहेगा। बसंत पंचमी पर शिव योग के समाप्त होते ही सिद्ध योग शुरु हो जाएगा। सिद्ध योग 26 जनवरी को दोपहर 03 बजकर 29 मिनट से लेकर अगले दिन यानी 27 जनवरी को दोपहर 01 बजकर 22 मिनट तक रहेगा।बसंत पंचमी पर रवि योग भी बन रहा है।इस दिन शाम 06 बजकर 57 मिनट से अगले दिन सुबह 07 बजकर 12 तक रवि योग रहेगा। माघ शुक्ल पंचमी 25 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 34 मिनट से अगले दिन यानी 26 जनवरी को सुबह 10 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। बसंत पंचमी पर सर्वार्थ सिद्धि योग शाम 06 बजकर 57 मिनट से लेकर अगले दिन सुबह 07 बजकर 12 मिनट तक रहेगा।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व स्वतंत्र पत्रकार है)

विचार मंथन

न्यूनतम समर्थन मूल्य से बढ़ेगा उत्पादन

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

सदियों से दुनिया ने सेहत के लिहाज से मोटे अनाजों के पोषक गुणों के महत्व को समझा है। किसानों के लिए इन्हें उगाना ज्यादा फायदेमंद है क्योंकि ये अनाज कम पानी, कम लागत और कम उपजाऊ भूमि में भी आसानी से उग जाते हैं। मोटे अनाजों (ज्वार, बाजरा, रागी, मडुवा, सावां, कोदो, कुटकी, कंगनी, चीना आदि) के महत्व को पहचान कर, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र आमसभा में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट ईयर के रूप में घोषित करने के प्रस्ताव का नेतृत्व किया था। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित करने के भारत के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है ताकि दुनियाभर में इन पोषक अनाजों की थाली में वापसी के लिए जागरूकता बढ़ाई जा सके। दरअसल, कम औसत पैदावार और दाम कम मिलने के कारण, पिछले 50 वर्षों में भारत के सघन कृषि क्षेत्रों में मोटे अनाज की फसलों की खेती कम होती गई। उन्नत बौनी किस्मों की ज्यादा पैदावार व समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद सुनिश्चित होने से गेहूं-धान आदि फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में 5 गुणा से ज्यादा वृद्धि हुई, जिससे लगातार बढ़ती आबादी के बावजूद देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी और कोरोना आपदाकाल में केन्द्र सरकार लगभग 80 करोड़ गरीब भारतीयों को 80 करोड़ क्विंटल वार्षिक मुफ्त अनाज बांटने में सफल हो पायी! इसका पूरा श्रेय देश के मेहनतकश किसानों और समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद को जाता है जिन्होंने कृषि व्यापार पर हावी बिचौलिये के भ्रष्ट तंत्र के बावजूद, पिछले 5 दशकों में देश की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित किया। भारत में मोटे अनाजों को प्रोत्साहन देने के लिये कई कदम उठाये गये, जिनमें उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में पोषक अनाज को शामिल करना है। इसके बावजूद उत्पादन, वितरण और उपभोक्ताओं द्वारा मोटे अनाजों को अपनाने से जुड़ी कई चुनौतियां कायम हैं। सार्वजनिक खाद्यान्न वितरण प्रणाली के अंतर्गत, 'कैलरी सिद्धांत' से हटाकर ज्यादा विविध खाद्यान्न संकुल प्रदान करने पर ध्यान लगायें, जिसमें मोटे अनाज को शामिल किया जाये! नीति आयोग और विश्व खाद्य कार्यक्रम का इरादा है कि इन चुनौतियों का समाधान व्यवस्थित और कारगर तरीके से किया जाये, ताकि भारत में उन्नत खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिये जलवायु परिवर्तन का सामना करने वाली कृषि को मजबूत किया जा सके। पोषक अनाज (मिलेट्स) जलवायु प्रतिरोधक क्षमता वाली फसलें हैं, जो 131 देशों में उगाई जाती हैं। इसमें बाजरा, ज्वार, रागी व मंडुवा, कंगनी, कोदो, कुटकी, चीना, सावां, ब्राउनटाप मिलेट, टेफ्फ मिलेट, फोनीओ मिलेट आदि फसलें शामिल हैं। भारत में लगभग 140 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग पौने दो सौ लाख टन मिलेट्स का उत्पादन होता है, वहीं वैश्विक परिदृश्य में लगभग 863 लाख टन मिलेट्स उत्पादन है। भारत में मोटे/पोषक अनाज फसलों को प्रोत्साहन के लिए 2018 में इसका राष्ट्रीय वर्ष मनाया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत उप-मिशन प्रारंभ किया गया, वहीं कदन्न मूल्य श्रृंखला में राज्य सरकारों व हितधारकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए हैं। देश में 18 बीज उत्पादन केंद्र व 22 बीज हब स्थापित किए गए हैं। सरकार द्वारा प्रदर्शनों के माध्यम से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण, मूल्य संवर्धित उत्पादों को विकसित करने के लिए मिलेट्स के तीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने, पोषण मिशन अभियान में मिलेट्स को शामिल करने जैसे कदम भी इसमें शामिल हैं। मिलेट्स के अनेक कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) भी स्थापित किए गए हैं। इन फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिलेट्स की अधिक उपज देने वाली 96 किस्म, रोग प्रतिरोधी का विमोचन किया गया है। साथ ही अधिक उपज देने वाली किस्मों और संकर क़िस्मों के गुणवत्ता वाले बीज की उपलब्धता में वृद्धि हुई है। भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का सकारात्मक प्रभाव हुआ है, जिससे मिलेट्स का उत्पादन वर्ष 2020-21 में बढ़कर 176 लाख टन हो गया और उत्पादकता बढ़कर 1239 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तो हो गई, लेकिन समर्थन मूल्य पर बिकने वाली और 2500 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर औसत पैदावार वाली गेहूं-धान फसलों को छोड़कर, किसान आधी पैदावार देने वाली और आधे दाम पर बिकने वाली मोटे अनाज की फसलें क्यों अपनायेंगे?

26 त्यौहारों जैसी क्यों नहीं मनती जनवरी!

26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। बस तभी से देश गणतंत्र हुआ और उसी उपलक्ष्य में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है और यह इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण है। भारत का संविधान, इसी दिन अस्तित्व में आया और गणतान्त्रिक देश बना। गणतंत्र दिवस पूरे देश में बहुत उत्साह और विशेष रूप से राजधानी में एक साथ मनाया जाता है। दिल्ली में एक विशाल समारोह होता है जो हमें देश के लिए बलिदान देने वालों की याद दिलाता है। इस दिन राष्ट्रपति वीरता के विभिन्न कार्य करने वालों को बहादुरी के लिए पदक देकर उनका सम्मान करते हैं। राजघाट से है, विजयपथ तक अपनी वेशभूषा में सजीधजी सेना की विभिन्न रेजीमेंटों, नौसेना, वायु सेना, घुड़सवार सेना व देश के कोने-कोने से आई प्रदेशों की झांकियां निकलती हैं। इस समारोह में देशभर से आए स्कूली बच्चे, एनसीसी के छात्र राजधानी में इकट्ठे होते हैं जो महीनों से 26 जनवरी की तैयारी में जुटे रहते हैं।

ऐसा हो गणतंत्र हमारा

ऐसा हो गणतंत्र हमारा
जनहित के प्रति रहे समर्पित,
शासन तथा प्रशासन सारा।

खुशियों से हो भरा राष्ट्र यह,
गुंजित हो 'जयहिंद' सुनारा।
बढ़ें सुपथ पर मिलकर सारे
राष्ट्र बने प्राणों से प्यारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

देशभक्ति की धार सुपावन,
जन–मन में हो पुन: प्रवाहित।
युवक हमारे निकलें, निर्भय,
प्राण हथेली पर लें, परहित।

आतंकों के, उग्रवाद के
हामी सारे करें किनारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

भ्रष्टाचार रहित हो शासन,
कर्मी सारे बने हितैषी।
जगे हमारे अंतर्मन में,
निश्छलता से भाव स्वदेशी।

कभी न मानव बने यहाँ का
मानवता का ही हत्यारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

समता–समरसता–समृद्धि का,
हो कण–कण में नव संचारण।
सभी समस्याओं का हो फिर,
आज राष्ट्रहित, शीघ्र निवारण।

निर्बलतम जो भारत जन हैं
उनको भी अब मिले सहारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

भीष्म–भीम व पार्थ सदृश हों,
वीर–जयी, सेनानी सारे।
अपराजित हो सैन्य वाहिनी,
विश्व–विजय के हित हुंकारे।

पथ प्रशस्त करें वसुधा का
जय ध्वज वाहक भारत न्यारा।
ऐसा हो गणतंत्र हमारा॥

आज 26 जनवरी है। हमारा 61वां गणतंत्र दिवस। लेकिन यह बात हमें ही नहीं, बहुतों को सालती होगी कि 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय दिवसों को होली-दिवाली-ईद की तरह क्यों नहीं मनाया जाता इन राष्ट्रीय दिवसों को लोग उन त्यौहारों की तरह क्यों नहीं मनाते, जिनसे पूरा समाज और उसकी इकाई यानी कि हर व्यक्ति जुडता सा प्रतीत होता है महीने भर पहले से जो उत्साह आम जनता के स्तर पर सामाजिक और सामुदायिक त्यौहारों के प्रति दिखता है वो पहल, लगाव, अपनत्व और जिजीविषा इन राष्ट्रीय दिवसों के प्रति क्यों नहीं ऐसा क्यों है कि ये राष्ट्रीय दिवस 365 दिनों में बस एक दिन आकर चले जाते हैं हम इनके साथ सामाजिक स्तर पर वैसा तादात्म्य क्यों नहीं स्थापित कर पाते, जैसा कि महाराष्ट्र में गणेशोत्सव, बिहार-उत्तर प्रदेश में सूर्य पूजा या छठ, मकर संक्रांति, पंजाब में लोहडी और दक्षिण में पोंगल के साथ रिश्तों की आम लेकिन सघन बुनावट देखने को मिलती है दिलचस्प है कि ये सभी सामाजिक-सांस्कृतिक त्यौहार भी जनता के स्तर पर रचे-बसे हैं, जिनमें क्षेत्रीय स्तरों पर आम शिरकत भी जबर्दस्त होती है, लेकिन हमारा गणतंत्र, जो याद दिलाता है कि आज के ही दिन भारतीय संविधान लागू हुआ था, जिसकी प्रस्तावना का वाक्य ही 'हम भारत के लोग... से शुरू होता है, जिसे जनता के दम पर ही गणतंत्र या रिपब्लिक कहा जाता है, उसके प्रतीक दिवस पर जनसंवेदना में ऐसा अंतर क्यों तो क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना कहीं कमजोर हो रही है... ऐसे अनेक सवाल जेहन में उठने स्वाभाविक हैं। माना कि राजधानी दिल्ली में आकर्षक परेड होती है। पूरे राष्ट्र की बहुलवादी लोकतांत्रिक संस्कृति की झांकी भी राजपथ पर जुलूस की शक्ल में दिखती है। देश की सैन्य शक्ति का भी भव्य प्रदर्शन होता है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विदेशी मेहमानों समेत सभी अतिविशिष्ट लोग इस सरकारी कार्यक्रम में शरीक होते हैं। थोडा संक्षिप्त लेकिन इसी तर्ज पर प्रदेश की राजधानियों में भी सरकारी कार्यक्रम होते हैं। देश भर के स्कूलों में भी पारंपरिक परेड होती है, जहां बच्चों को शामिल किया जाता है। लेकिन ये सब होता है बस कुछ घंटे के लिए ही, आम जनता के स्तर पर क्या होता है खेत-खलिहान, सडक-पगडंडी, बाजार-चौराहों पर जहां दिवाली के पटाखे फूटते हैं, होली के रंग चलते हैं, गुलाल उड़ता है, फाग छिड़ती है, ईद में गले मिलते हैं, जन्माष्टमी में हांडी फूटती है, दशहरे पर अनगिनत जगह रावण मरता है - वहां सन्नाटा क्यों है, राष्ट्रीय जश्न मनाने में जनता परहेज करती सी क्यों लगती है कहीं रिपब्लिक डे में 'पब्लिक' और गणतंत्र दिवस में 'गण' पीछे तो नहीं छूट रहा

ऐसे सवालों का जेहन में उठना इसलिए भी स्वाभाविक है क्योंकि देश-समाज बदल रहा है। बाजार का वैश्विक दौर है। दुनिया छोटी होकर गांव की शक्ल ले रही है। लेकिन क्षेत्रीय संदर्भ अपनी विशिष्ट पहचान को लेकर सजग हैं। वे समाज, राजनीति, संस्कृति, विकास सभी स्तरों पर नई करवट ले रहे हैं। तो क्या वैश्विकता और क्षेत्रीयता के बीच राष्ट्रीय संदर्भ का ताप कम हो रहा है यह मुद्दा बहस का विषय हो सकता है लेकिन एक वास्तविकता ये तो है ही कि गांधी-नेहरू की रहनुमाई में आमजन के संघर्ष की आग में तपे-बढ़े आजादी के आंदोलन के मूल्यों-संस्कारों के आधुनिक संदर्भ और परिवेश बदल रहे हैं। इसे इस रूप में भी समझा जा सकता है कि आज न तो कोई ऐसा राष्ट्रीय राजनीतिक दल है और न ही कोई ऐसा राष्ट्रीय अखबार जिसकी धमक पूरे देश में महसूस की जाती हो - ये बापू का जमाना नहीं है जो किसी आश्रम से भी चंद पंक्तियां लिखकर पूरे देश को एकजुट कर सकते थे। इस बदलते परिदृश्य में जब युवाओं की लगभग आधी से ज्यादा आबादी वाला 'युवा भारत' आने वाले समय में 'महाशक्ति' बनने को तैयार है, हमें अपनी राष्ट्रीय धरोहर, जडों से भटकने की प्रवृत्ति से बचना होगा, क्योंकि यही लोकतांत्रिक-बहुलवादी संस्कृति ही हमारी राष्ट्रीय पूंजी है, चेतना है। कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक भले ही आज 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हों, लेकिन हमें हमेशा याद रखना है कि हिंदुस्तान के इस गुलदस्ते में डेढ़ हजार से ज्यादा भाषाएं और बोलियां हैं, लगभग साढ़े छह हजार जातियां हैं, ढाई दर्जन प्रमुख त्यौहार हैं - और इन सभी विभिन्नताओं के बीच हम एक हैं। यही अनेकता में एकता हमारी ताकत है, थाती है।

इन विभिन्नताओं के बीच हमारी एकजुटता जहां हमारी पूंजी है, वहीं ये विभिन्नताएं हमारी खूबसूरती। यही हमारे हिंदुस्तानी गुलदस्ते के हर फूल की अलग महक और विशिष्ट पहचान भी। आज जरूरत है बेहतर समन्वय और समग्र दृष्टिबोध की। एक खास बात यह भी है कि हमारे सभी सामाजिक त्यौहारों का एक सांस्कृतिक-पौराणिक संदर्भ है जो कहीं न कहीं व्यापक संदर्भों में आधुनिकता से भी जुड़ता है। ठीक इसी तरह हमारी आधुनिक लोकतांत्रिक-गणतंत्रीय सोच को भी भारत की हजारों साल की मध्यमार्गी जनतंत्रीय दृष्टि से जोड़ने की जरूरत है। साथ ही सरकार के समानांतर आमजन के स्तर पर राष्ट्रीय दिवसों को मनाने की पहल होनी चाहिए, भले ही ऐसे प्रयास छोटे ही क्यों न हों। इससे हमारे राष्ट्रीय दिवस ही नहीं, सारा राष्ट्रीय कलेवर और भी ज्यादा गणतंत्रीय मूल्यों-संस्कारों-सरोकारों से संपन्न हो सकेगा। क्षेत्रीय ताने-बाने और वैश्विकता के ध्रुवों के बेहतर जुड़ाव का माध्यम हमारी राष्ट्रीय चेतना और भारत के वे सांस्कृतिक मूल्य ही हो सकते हैं - जो गांधी के तीन शब्द 'करो या मरो' से पूरे देश को एकजुट कर देते हैं, तिलक के गणेशोत्सव कार्यक्रम नवसांस्कृतिक आभा का संचार करते हैं और शिकागो के मंच पर विवेकानंद 'भाइयों और बहनों' संबोधन के बाद सारी दुनिया को वेदांत के संदेश से चमत्कृत और मंत्रमुग्ध कर देते हैं। तो ये है हमारी ताकत, जिसे कोई सांप्रदायिक, क्षेत्रीय, जातीय, विभाजनकारी या कोई दकियानूसी ताकत कभी तोड़ नहीं सकती। यही हमारी हजारों साल की पूंजी 'आध्यात्मिक शक्ति' भी है, जिसे खुद को साबित करने के लिए किसी लाल चौक पर झंडा फहरा कर कोई अग्निपरीक्षा देने की आवश्यकता नहीं है। ये वो राष्ट्रीयता है जो लाल किले की प्राचीर से भी उतनी ही सहजता से प्रकट होती है, जितनी किसी सुदूर अंचल के खेत-खलिहान या पगडंडी से। बस इस शाश्वत भावना को फिर से पुनर्जीवित और आत्मसात करने की आवश्यकता है, तभी हम हर उस धुंधलके को मिटा पाने में सफल होंगे, जो यदाकदा प्रश्नचिह्न बन के हमारे राष्ट्रीय मानस को कुरेदने की चेष्टा करते हैं।

बसंत पंचमी हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है। माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसंत ऋतु का आरंभ होता है। बसंत का उत्सव प्रकृति का उत्सव है। सतत सुंदर लगने वाली प्रकृति बसंत ऋतु में सोलह कलाओं से खिल उठती है। बसंत को ऋतुओं का राजा कहा गया है क्योंकि इस समय पंच-तत्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। बसंत ऋतु आते ही आकाश एकदम स्वच्छ हो जाता है, अग्नि रुचिकर तो जल पीयूष के सामान सुखदाता और धरती उसका तो कहना ही क्या वह तो मानों साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते हैं तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाता। इस ऋतु के आते ही हवा अपना रुख बदल देती है जो सुख की अनुभूति कराती है।

पीले रंगों का पर्व
वसंत पंचमी

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है।

कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाएं जाते है। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेंट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है।

ऐसे समय में हर किसी का मन बिना मचलें नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है। पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती हैं

श्रद्धा व उल्लास का पर्व

भारतीय धर्म में हर तीज-त्योहार के साथ दिलचस्प परंपराएं जुड़ी हुई हैं। इसीलिए प्रत्येक पर्व-त्योहार के मद्देनजर गांवों-शहरों का स्वरूप कुछ बदल-सा जाता है और सभी समुदाय के लोग तरह-तरह की परंपराएं निभाते हुए हर त्योहार का मनपूर्वक मनाते हैं।

यह तिथि देवी सरस्वती का प्राकट्य दिवस होने से इस दिन सरस्वती जयंती, श्रीपंचमी आदि पर्व भी होते हैं। वैसे सायन कुंभ में सूर्य आने पर वसंत शुरू होता है। इस दिन से वसंत राग, वसंत के प्यार भरे गीत, राग-रागिनियां गाने की शुरुआत होती है। इस दिन सात रागों में से पंचम स्वर (वसंत राग) में गायन, कामदेव, उनकी पत्नी रति और वसंत की पूजा की जाती है। खास तौर पर बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल के लोग भी इस पर्व को खासे उत्साह के साख मनाते है। इस विशेष उत्साह के साथ सरस्वती पूजा की तैयारियां भी की जाती है। इस दिन सैंकड़ों स्थानों पर सामूहिक आयोजन किया जाता है। माता सरस्वती की पूजा में मूर्तियों के साथ पलाश की लकड़ियों, पत्तों और फूलों आदि का उपयोग किया जाता है। विधि-विधान के साथ पूजन, पुष्पांजलि और आरती के साथ पूजा संपन्न होती है।

रातभर भक्ति संगीत के साथ अगले दिन सरस्वती की मूर्तियों को नदी में विसर्जन किया जाता है। इस पूरे दिन खुले आसमान में पंतगबाजी और एक-दूसरे के साथ चुहलबाजी करने में दिन व्यतीत हो जाता है। वासंती रंग की मिठाइयों के साथ दूसरी और भी कई तरह की खाने-पीने की चीजों की भरमार होती है।

बसंत और बसंत पंचमी का महत्व

बसंत ऋतुओं का राजा माना जाता है। यह पर्व बसंत ऋतु के आगमन का सूचक है। इस अवसर पर प्रकृति के सौंदर्य में अनुपम छटा का दर्शन होता है। वृक्षों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और बसंत में उनमें नयी कोपलें आने लगती हैं, तथा खेती में भी सरसों की स्वर्णमयी कांति अपनी छटा बिखेरती है। मा घ महीने की शुक्ल पंचमी को बसंत पंचमी होती है तथा इसी दिन से बसंत ऋतु आरंभ होती है। बसंत का उत्सव प्रकृति का उत्सव है। सतत सुंदर लगने वाली प्रकृति बसंत ऋतु में सोलह कलाओं से खिल उठती है। यौवन हमारे जीवन का बसंत है तो बसंत इस सृष्टि का यौवन है। महर्षि वाल्मीकि ने भी रामायण में बसंत का अति सुंदर व मनोहारी चित्रण प्रस्तुत किया है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में 'ऋतूनां कुसुमाकरः' कहकर ऋतुराज बसंत को अपनी विभूति माना है। कविवर जयदेव तो बसंत का वर्णन करते थकते नहीं है। बसंत ऋतु कामोद्दीपक होता है। इसके प्रमुख देवता काम तथा रति है। अतएव काम देव तथा रति की प्रधानतया पूजा करनी चाहिये। हमारे तंत्र शास्त्रों में भी ऋतु का बहुत महत्व है। तंत्र शास्त्रों के अनुसार वशीकरण एवं आकर्षण से संबंधित प्रयोग एवं हवन आदि यदि बसंत ऋतु में किये जाये तो वह बहुत ही प्रभावी, शुभ एवं फलदायी रहते हैं। हमारे शास्त्रों एवं पुराणों कथाओं के अनुसार बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा को लेकर एक बहुत ही रोचक कथा है, कथा कुछ इस प्रकार है। जब भगवान विष्णु की आज्ञा से प्रजापति ब्रह्माजी सृष्टि की रचना करके जब उस संसार में देखते हैं तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जन ही दिखाई देता था। उदासी से सारा वातावरण मूक सा हो गया था। जैसे किसी के वाणी न हो। यह देखकर ब्रह्माजी ने उदासी तथा मलीनता को दूर करने के लिए अपने कमंडल से जल लेकर छिड़का। उन जलकणों के पड़ते ही वृक्षों से एक शक्ति उत्पन्न हुई जो दोनों हाथों से वीणा बजा रही थी तथा दो हाथों में क्रमशः पुस्तक तथा माला धारण किये थीं। ब्रह्माजी ने उस देवी से वीणा बजाकर संसार की मूकता तथा उदासी दूर करने के लिए कहा। तब उस देवी ने वीणा के मधुर-नाद से सब जीवों को वाणी दान की, इसलिये उस देवी को सरस्वती कहा गया। यह देवी विद्या, बुद्धि को देने वाली है। इसलिये बसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा भी की जाती है। इस दिन विशेष रूप से लोगों को अपने घर में सरस्वती यंत्र स्थापित करना चाहिये, तथा मां सरस्वती के इस विशेष मंत्र का 108 बार जप करना चाहिये। मंत्र - 'ऊँ ऐं महासरस्वत्यै नमः' ।

कैसे करें पूजन

माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी से ऋतुओं के राजा वसंत का आरंभ हो जाता है। यह दिन नवीन ऋतु के आगमन का सूचक है। इसीलिए इसे ऋतुराज वसंत के आगमन का प्रथम दिन माना जाता है। साथ ही यह मां सरस्वती की जयंती का दिन है। इस दिन से प्रकृति के सौंदर्य में निखार दिखने लगता है। वृक्षों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और उनमें नए-नए गुलाबी रंग के पल्लव मन को मुग्ध करते हैं। इस दिन को बुद्धि, ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती की पूजा-आराधना के रूप में मनाया जाता है।

वसंत पंचमी का पूजन कैसे कर -

- वसंत पंचमी में प्रातः उठ कर बेसनयुक्त तेल का शरीर पर उबटन करके स्नान करना चाहिए। इसके बाद स्वच्छ पीतांबर या पीले वस्त्र धारण कर मां सरस्वती के पूजन की तैयारी करना चाहिए।
- माघ शुक्ल पूर्वविद्धा पंचमी को उत्तम वेदी पर वस्त्र बिछाकर अक्षत (चावल) से अष्टदल कमल बनाएं।
- उसके अग्रभाग में गणेशजी स्थापित करें।
- पृष्ठभाग में वसंत स्थापित करें। वसंत, जौ व गेहूं की बाली के पुंज को जल से भरे कलश में डंठल सहित रखकर बनाया जाता है।
- इसके पश्चात सर्वप्रथम गणेशजी का पूजन करें और फिर पृष्ठभाग में स्थापित वसंत पुंज के द्वारा रति और कामदेव का पूजन करें। इसके लिए पुंज पर अबीर आदि के पुष्पों माध्यम से छींटे लगाकर वसंत सदृश बनाएं।
- तत्पश्चात

  शुभा रतिः प्रकर्तव्या वसन्तोज्वलभूषणा ।
  नृत्यमाना शुभा देवी समस्ताभरणैर्युता ॥
  वीणावादनशीला च मदकर्पूरचर्चिता।
  श्लोक से रति का और कामदेव व रति
  कामदेवस्तु कर्तव्यो रूपेणाप्रतिमो भुवि।
  अष्टबाहुः स कर्त्तव्यः शंखपद्मविभूषणः॥
  चापबाणकरश्चैव मदादञ्चितलोचनः।
  रतिः प्रतिस्तथा शक्तिर्मदशक्ति-स्तथोज्वला॥
  चतस्त्रस्तस्य कर्तव्याः पत्न्यो रूपमनोहराः।
  चत्वाश्च करास्तस्य कार्या भार्यास्तनोपगाः॥
  केतुश्च मकरः कार्यः पंचबाणमुखो महान।

  इस प्रकार से कामदेव का ध्यान करके विविध प्रकार के फल, पुष्प और पत्रादि समर्पण करें तो गृहस्थ जीवन सुखमय होकर प्रत्येक कार्य को करने के लिए उत्साह प्राप्त होता है।
- सामान्य हवन करने के बाद केशर या हल्दी मिश्रित हलवे की आहुतियां दें।
- वसंत-पंचमी के दिन किसान लोग नए अन्न में गुड़ तथा घी मिश्रित करके अग्नि तथा पितृ-तर्पण करें। साथ ही केशरयुक्त मीठे चावल अवश्य घर में बनाकर उनका सेवन करना चाहिए।
- इस दिन विष्णु-पूजन का भी महात्म्य है।
- वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती के पूजन का भी विधान है। कलश की स्थापना करके गणेश, सूर्य, विष्णु तथा महादेव की पूजा करने के बाद वीणावादिनी मां सरस्वती का पूजन करना चाहिए।

वसंत पंचमी
सरस्वती आराधना का पर्व

बसंत ऋतु का आगमन बसंत पंचमी पर्व से होता है। शांत, ठंडी, मंद वायु, कटु शीत का स्थान ले लेती है तथा सब को नवप्राण व उत्साह से स्पर्श करती है। पत्रपटल तथा पुष्प खिल उठते हैं। स्त्रियाँ पीले- वस्त्र पहन, बसंत पंचमी के इस दिन के सौन्दर्य को और भी अधिक बढ़ा देती हैं। लोकप्रिय खेल पतंगबाजी, बसंत पंचमी से ही जुड़ा है। यह विद्यार्थियों का भी दिन है, इस दिन विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा आराधना भी की जाती है।

बसंत का अर्थ

बसंत ऋतु तथा पंचमी का अर्थ है- शुक्लपक्ष का पाँचवां दिन अंग्रेज़ी कलेंडर के अनुसार यह पर्व जनवरी-फ़रवरी तथा हिंदू तिथि के अनुसार माघ के महीने में मनाया जाता है।

बसंत को ऋतुओं का राजा अर्थात सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है। इस समय पंच-तत्त्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंच-तत्त्व- जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते हैं। आकाश स्वच्छ है, वायु सुहावनी है, अग्नि (सूर्य) रुचिकर है तो जल पीयूष के समान सुखदाता और धरती उसका तो कहना ही क्या वह तो मानों साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते हैं तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाता। धनी जहाँ प्रकृति के नव-सौंदर्य को देखने की लालसा प्रकट करने लगते हैं तो निर्धन शिशिर की प्रताड़ना से मुक्त होने के सुख की अनुभूति करने लगते हैं। सच! प्रकृति तो मानों उन्मादी हो जाती है। हो भी क्यों ना! पुनर्जन्म जो हो जाता है। श्रावण की पनपी हरियाली शरद के बाद हेमन्त और शिशिर में वृद्धा के समान हो जाती है, तब बसंत सौन्दर्य लौटा देता है। नवगात, नवपल्लव, नवकुसुम के साथ नवगंध का उपहार देकर विलक्षणा बना देता है।

प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पांच तारीख को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।

शुभवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।

दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।

जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।

सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

सरस्वती पूजन एवं ज्ञान का महापर्व

ब्राह्मण-ग्रंथों के अनुसार वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूपा, कामधेनु तथा समस्त देवों की प्रतिनिधि हैं। ये ही विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्वनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसंत पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। अतः वागीश्वरी जयंती व श्रीपंचमी नाम से भी यह तिथि प्रसिद्ध है। माँ सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं। जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है, वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं। बहुत लोग अपना ईष्ट माँ सरस्वती को मानकर उनकी पूजा-आराधना करते हैं। जिन पर सरस्वती की कृपा होती है, वे ज्ञानी और विद्या के धनी होते हैं। बसंत पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को ही अर्पित है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है, किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का विधान चल निकला है। यह ज्ञान का त्योहार है, फलतः इस दिन प्रायः शिक्षण संस्थानों व विद्यालयों में अवकाश होता है। विद्यार्थी पूजा स्थान को सजाने-संवारने का प्रबन्ध करते हैं। महोत्सव के कुछ सप्ताह पूर्व ही, विद्यालय विभिन्न प्रकार के वार्षिक समारोह मनाना प्रारंभ कर देते हैं। संगीत, वाद-विवाद, खेल- कूद प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। बसंत पंचमी के दिन ही विजेयताओं को पुरस्कार बांटे जाते हैं। माता-पिता तथा समुदाय के अन्य लोग भी बच्चों को उत्साहित करने इन समारोहों में आते हैं। समारोह का आरम्भ और समापन सरस्वती वन्दना से होता है। प्रार्थना के भाव हैं- ओ माँ सरस्वती ! मेरे मस्तिष्क से अंधेरे (अज्ञान) को हटा दो तथा मुझे शाश्वत ज्ञान का आशीर्वाद दो!

घरों में बसंत महोत्सव

पूजा कक्ष को अच्छी तरह साफ किया जाता है, तथा सरस्वती देवी की प्रतिमा को पीले फूलों से सजे लकड़ी के मंडप पर रखा जाता है। मूर्ति को भी पीत पुष्पों से सजाया जाता है। एवं पीत परिधान पहनाये जाते हैं। पीला रंग हिन्दुओं का शुभ रंग है। इसी प्रतिमा के निकट गणेश का चित्र या प्रतिमा भी स्थापित की जाती है। परिवार के सभी सदस्य तथा पूजा में सम्मिलित होने वाले सभी व्यक्ति भी पीले वस्त्र धारण करते हैं। बच्चे वयस्क देवी को प्रणाम करते हैं। बेर व संगरी प्रसाद की मुख्य वस्तुएँ हैं तथा इन्हीं के साथ पीली बर्फी या बेसन लड्डू भी रखे जाते हैं। प्रसाद की थाली में नारियल व पान के पत्र भी रखे जाते हैं। बसंत पंचमी, बसंत ऋतु के प्रादुर्भाव की भी तिथि है। अर्थात इसी दिन ऋतुराज बसंत का पृथ्वी पर प्रादुर्भाव हुआ था। साथ ही इसी दिन काम के देवता अनंग का भी आविर्भाव हुआ था। यानी कि इस दिन सम्पूर्ण प्रकृति में एक मादक उल्लास व आनन्द की सृष्टि हुई थी। वह मादक उल्लास व आनन्द की अनुभूति अब भी ज्यों की त्यों है, और बसंत पंचमी के दिन यह फूट पड़ती है। पीला रंग परिपक्वता का प्रतीक है।

बसंतोत्सव और पीला रंग

यह रंग हिन्दुओं का शुभ रंग है। बसंत पंचमी पर न केवल पीले रंग के वस्त्र पहने जाते हैं, अपितु खाद्य पदार्थों में भी पीले चावल पीले लड्डू व केसर युक्त खीर का उपयोग किया जाता है, जिसे बच्चे तथा बड़े-बूढ़े सभी पसंद करते है। अतः इस दिन सब कुछ पीला दिखाई देता है और प्रकृति खेतों को पीले-सुनहरे रंग से सजा देती है, तो दूसरी ओर घर-घर में लोग के परिधान भी पीले दृष्टिगोचर होते हैं। नवयुवक-युवती एक -दूसरे के माथे पर चंदन या हल्दी का तिलक लगाकर पूजा समारोह आरम्भ करते हैं। तब सभी लोग अपने दाएं हाथ की तीसरी उंगली में हल्दी, चंदन व रोली के मिश्रण को माँ सरस्वती के चरणों एवं मस्तक पर लगाते हैं, और जलार्पण करते हैं। धान व फलों को मूर्तियों पर बरसाया जाता है। गृहलक्ष्मी फिर को बेर, संगरी, लड्डू इत्यादि बांटती है। प्रायः बसंत पंचमी के दिन पूजा समारोह विधिवत नहीं होते हैं, क्योंकि लोग प्रायः घर से बाहर के कार्यों में व्यस्त रहते हैं। हाँ, मंदिर जाना व सगे-संबंधियों से भेंट कर आशीर्वाद लेना तो इस दिन आवश्यक ही है।

बसंतोत्सव और मनोरंजन

बच्चे व किशोर बसंत पंचमी का बड़ी उत्सुकता से इंतजार करते हैं। आखिर, उन्हें पतंग जो उड़ानी है। वे सभी घर की छतों या खुले स्थानों पर एकत्रित होते हैं, और तब शुरू होती है, पतंगबाजी की जंग। कोशिश होती है, प्रतिस्पर्धी की डोर को काटने की। जब पतंग कटती है, तो उसे पकड़ने की होड़ मचती है। इस भागम-भाग में सारा माहौल उत्साहित हो उठता है।

मथुरा का मेला

मार्ग शुक्ल 5 को बसंत पंचमी के दिन मथुरा में दुर्वासा ऋषि के मन्दिर पर मेला लगता है। सभी मन्दिरों में उत्सव एवं भगवान के विशेष श्रृंगार होते हैं। वृन्दावन के श्रीबांके बिहारीजी मन्दिर में बसंती कक्ष खुलता है। शाह जी के मंदिर का बसंती कमरा प्रसिद्ध है। यहाँ दर्शन को भरी-भीड़ उमड़ती है। मन्दिरों में बसंती भोग रखे जाते हैं और बसंत के राग गाये जाते हैं बसंम पंचमी से ही होली गाना शुरू हो जाता है। ब्रज का यह परम्परागत उत्सव है। इस दिन सरस्वती पूजा भी होती है। ब्रजवासी बंसती वस्त्र पहनते हैं।

बसंतोत्सव पर प्रसाद और भोजन

बसंत पंचमी के दिन वाग्देवी सरस्वती जी को पीला भोग लगाया जाता है और घरों में भोजन भी पीला ही बनाया जाता है। इस दिन विशेषकर मीठा चावल बनाया जाता है। जिसमें बादाम, किसमिस, काजू आदि डालकर खीर आदि विशेष व्यंजन बनाये जाते हैं। इसे दोपहर में परोसा जाता है। घर के सदस्यों व आगंतुकों में पीली बर्फी बांटी जाती है। केसरयुक्त खीर सभी को प्रिय लगती है। गायन आदि के विशेष कार्यक्रमों से इस त्यौहार का आनन्द और व्यापक हो जाता है।

उ स क ।

स्मिथ को पारी शुरुआत के लिए भेजें : हीली

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम पूर्व विकेटकीपर इयान हीली ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारने को कहा है। हीली ने इस बात पर नाराजगी जतायी कि स्मिथ को पारी की शुरुआत के लिए नहीं भेजा जाता। स्मिथ ने घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी सिक्सर्स की ओर से चार पारियों में 328 रन बनाए है। हीली ने कहा कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर स्मिथ की उपलब्धियों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने स्मिथ की तुलना डॉन ब्रेडमैन से की और कहा कि उसे बल्लेबाजी करते देखना सुखद अनुभव है। वहीं यह पूछने पर कि क्या वह टी20 में स्मिथ को सलामी बल्लेबाज की भूमिका में देखना चाहेंगे उन्होंने कहा ' जरुर क्यो नहीं। उन्होंने कहा 'डेविड वॉर्नर के साथ टी20 विश्व कप में किसने पारी की शुरूआत की। आरोन फिंच जो कप्तान था। वॉर्नर और फिंच दोनों ही पहले वाले फॉर्म में नहीं है। ऐसे में मुझे लगता है कि स्मिथ बेहतर तरीके से पारी की शुरूआत कर सकता है। हीली ने कहा 'मेरा मानना है कि भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भी वह पारी की शुरूआत के लिए सबसे बेहतर रहेगा। उसे बल्लेबाजी करते देखना सुखद अनुभव होता है। उसे आउट करने के लिये दूसरी टीमों को जमकर पसीना बहाना पड़ता है। यही उसे अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

आईसीसी एमजिंर्ग वुमन क्रिकेटर ऑफ द ईयर बनीं भारत की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर

दुबई,

भारत की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर को बुधवार को आईसीसी एमजिंर्ग वुमन क्रिकेटर आफ द ईयर 2022 के रूप में चुना गया, क्योंकि उन्होंने पिछले साल अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया था।

रेणुका ने आस्ट्रेलिया की डार्सी ब्राउन, इंग्लैंड की एलिस कैपसी और हमवतन विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को पछाड़ते हुए आईसीसी एमजिंर्ग वुमन क्रिकेटर आफ द ईयर बन गईं।इसी के साथ वह यह सम्मान पाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बन गईं। रेणुका ने अपने देश के लिए 2022 में सफेद गेंद के दो प्रारूपों में सिर्फ 29 मैचों में 40 विकेट हासिल किये, जिससे महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की कमी पूरी हुई। दाएं हाथ की तेज गेंदबाज के आने वाले वर्षों में भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में से एक होने की संभावना है। वनडे मैचों में, रेणुका ने 14.88 की औसत से 18 विकेट लिए, जिनमें से आठ इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में और सात श्रीलंका के खिलाफ भारत की श्रृंखला में आए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट की वापसी पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ आया, 16 डॉट गेंदों के साथ 4/18 विकेट लेते हुए, और लेकिन 34/4 पर होने के बावजूद अंतिम चैंपियन ने भारत के 154 रनों का पीछा किया।वह साल भर में सात टी20 मैचों में आठ विकेट लेकर आस्ट्रेलियाई लाइन-अप के लिए खतरा बनी रहीं और राष्ट्रमंडल खेलों और महिला एशिया कप में उसके प्रदर्शन से पता चलता है कि उन्होंने टूर्नामेंट के 11 मैच में सिर्फ 5.21 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट लिए थे। भारतीय टीम वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका में महिला टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में खेल रही है और रेणुका ने बीसीसीआई टीवी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि वह पुरस्कार पाकर खुश हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रमंडल खेलों में आस्ट्रेलिया के खिलाफ स्पेल 2022 से मेरा सबसे यादगार प्रदर्शन था क्योंकि मैं वहां सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज थीं और सबसे अच्छा प्रदर्शन आस्ट्रेलिया के खिलाफ था क्योंकि उनके खिलाफ खेलना अपने आप में बड़ी बात है। फिर, दूसरी सर्वश्रेष्ठ पारी लॉर्डस में इंग्लैंड के खिलाफ थी क्योंकि उस प्रतिष्ठित स्थान पर खेलना एक सपना था और इतने सालों बाद श्रृंखला भी जीती, इसलिए यह मेरे लिए सबसे अच्छा क्षण था। मैं इस पुरस्कार के लिए टीम के साथी और कोच समेत अपने परिवार को धन्यवाद देना चाहती हूं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः टॉमी पॉल, सितसिपास और खाचानोव सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न,

गैर वरीयता प्राप्त अमेरिकी टॉमी पॉल ने बुधवार को यहां मेलबर्न पार्क में अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में हमवतन बेन शेल्टन को चार मुश्किल सेटों में हराकर पहली बार आस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्व नंबर 35 ने बुधवार को 7-6(6), 6-3, 5-7, 6-4 से जीतकर हमवतन शेल्टन का आस्ट्रेलियन ओपन में सनसनीखेज जीत का सिलसिला रोक दिया।यूएस ओपन के मुख्य ड्रा के लिए क्वालीफाई करने से पहले, पॉल 2015 में जूनियर रोलां गैरो चैंपियन के रूप में वापस आए थे। धीरे-धीरे, उन्होंने यहां सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वह सेमीफाइनल में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास और 18वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव के साथ जुड़ गए, उन्होंने चेक गणराज्य के जिरी लेहेका और संयुक्त राज्य अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा को अपने क्वार्टर फाइनल में मात दी।सितसिपास ने लेहेका को 6-3, 7-6(2), 6-4 से हराया, जबकि अमेरिकी कोर्डा के 7-6(5), 6-3, 3-0 (रिटायर्ड) स्कोर पर रिटायर होने के बाद खाचानोव अंतिम चार में पहुंच गए।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः स्थानीय वाइल्डकार्ड कुब्लर-हिजीकाता पुरुष युगल सेमीफाइनल में

मेलबर्न,

ऑस्ट्रेलिया की वाइल्डकार्ड जोड़ी जैसन कुब्लर और रिंकी हिजीकाता ने बड़ा अपसेट करते हुए शीर्ष वरीय जोड़ी को बुधवार को हराकर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष वर्ग के युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।कुब्लर और हिजीकाता ने नंबर एक जोड़ी हार्लैंड के वेस्ली कूलहोफ और ब्रिटेन के नील स्कप्स्की को मेलबर्न पार्क के क्वार्टरफाइनल में 6-3, 6-1 से चौंकाया। उनका अगला मुकाबला आठवीं सीड जोड़ी स्पेन के मार्सेलो ग्रेनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से होगा।कूलहोफ और स्कप्स्की 2022 में अपने सर्वश्रेष्ठ पर थे और उन्होंने 10 फाइनल मुकाबले में से सात खिताब जीते थे लेकिन यहां क्वार्टरफाइनल में उनकी एक नहीं चली। उन्हें 66 मिनट तक चले मुकाबले में एक भी ब्रेक अंक का सामना नहीं करना पड़ा और अपनी सर्विस पर केवल नौ अंक गंवाए। 29 वर्षीय कुब्लर और 21 वर्षीय हिजीकाता इस टूर्नामेंट से पहले कभी एक साथ नहीं खेले थे लेकिन सेमीफाइनल तक के सफर में उन्होंने पांच टॉप 20 खिलाड़ियों और दो वरीय जोड़ियों को लुढ़काया है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सानिया मिर्जा-रोहन बोपन्ना की जोड़ी मिश्रित डबल्स के फाइनल में पहुंचीं

मेलबर्न,

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना ने मंगलवार को आस्ट्रेलियन ओपन 2023 मिश्रित डबल्स इवेंट के फाइनल में पहुंचने के लिए तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी-ब्रिटिश जोड़ी देसिरा क्रॉजिक और नील स्कूप्स्की को सेमीफाइनल में हरा दिया। सानिया और बोपन्ना ने दो बार की विंबलडन चैम्पियन जोड़ी देसिरा-स्कूपस्की को कड़े संघर्ष में 7-6(5), 6-7(5), 10-6 से हराया।भारतीय जोड़ी आस्ट्रेलिया की ओलिविया गडेकी और मार्क पोलमैन्स और ब्राजील की जोड़ी लुइसा स्टेफनी और राफेल माटोस के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। पांच साल में यह पहली बार होगा, जब किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में भारतीय प्रतिनिधित्व होगा। बोपन्ना ने 2018 में हंगरी की टिमिया बाबोस के साथ आस्ट्रेलियन ओपन मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन हार गए थे। सानिया छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन के रूप में अपना आखिरी मेजर इवेंट खेल रही हैं और इस महीने की शुरूआत में उन्होंने घोषणा की थी कि वह दुबई टेनिस चैंपियनशिप में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लेंगी, जो डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट है और 19 फरवरी से शुरू हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए ऋतुराज !

मुम्बई । युवा सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रही टी20 सीरीज में शायद ही खेल पायें। ऋतुराज को विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद चयनकर्ताओं ने कीवी टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में जगह दी थी पर अब उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या करने वाले हैं जबकि सूर्यकुमार यादव उप कप्तान होंगे। भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर इस समय शुभमन गिल ईशान किशन और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ी हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा ऋतुराज कलाई की चोट की वजह से अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। हमें अभी यह पता नहीं है कि उनका चोट कितनी गंभीर है पर जैसा कि सभी जानते हैं कि सीरीज में फिलहाल ज्यादा वक्त नहीं बचा है तो उनका समय पर फिट हो पाना असंभव ही लग रहा है। उनको स्कैन से गुजरना होगा और एक बार जब रिपोर्ट आ जाएगी तभी हमें कुछ पता चलेगा। हमारे पास टीम में इस वक्त तो 4 से 5 सलामी बल्लेबाज हैं हालांकि यह सबकुछ चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है कि वो उनकी जगह पर किसी का नाम देते हैं या नहीं। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 27 जनवरी को रांची में खेला जाना है। दूसरा मैच 29 जनवरी को लखनऊ में खेला जाएगा तो वहीं आखिरी टी20 मुकाबला 1 फरवरी को अहमदाबाद में होना है।

भारतीय टीम के साथ टेस्ट सीरीज में अश्विन का सामना करना होगा मुश्किल : रेनशॉ

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह फरवरी में होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज में अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का सामना करना सबसे कठिन रहेगा। रेनशॉ के अनुसार हमारे बल्लेबाज इस सीरीज में अश्विन का सामना कैसे करते हैं यह देखना होगा। अश्विन 2021 में बायें हाथ के 200 बल्लेबाजों को आउट करने वाले पहले गेंदबाज बने थे। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम में डेविड वॉर्नर उस्मान ख्वाजा ट्रेविस हेड विकेटकीपर एलेक्स कारी और स्वयं रेनशॉ सहित कई बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। रेनशॉ ने कहा 'अश्विन को खेलना कठिन है। वह चालाक गेंदबाज है और उसकी गेंदबाजी में भी काफी विविधता है जिसका वह बेहद अच्छे तरीके से इस्तेमाल करता है हालांकि कुछ देर बाद उसे खेलना आसान हो जाता है। उन्होंने कहा 'उसकी टर्न लेती गेंद पर स्लिप में कैच आउट होने का खतरा बना रहता है पर स्पिन नहीं लेने वाली गेंद पर आप एलबीडब्ल्यू हो सकते हैं। उसके लिए भी आपको तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि बिग बैश लीग में खेलने के कारण उन्हें तैयारी में काफी सहायता मिली क्योंकि उनकी टीम स्पिनरों से भरी हुई थी। उन्होंने कहा 'भारत में हालांकि हालात अलग होंगे लेकिन हमने उसे ध्यान में रखकर पूरी तैयारी की है।

मुंबई इंडियंस, आरसीबी के मालिक ने महिला प्रीमियर लीग में टीमों के मालिक होने पर खुशी जताई

नई दिल्ली,

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को घोषणा की है कि पुरुषों की आईपीएल टीमों मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ-साथ अडानी ग्रुप और कैपरी ग्लोबल ने पांच महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीमों की बोली जीत ली है।महिला प्रीमियर लीग का पहला सीजन इस साल मार्च में खेले जाने की उम्मीद है। पांच विजेता फ्रेंचाइजी की घरेलू टीमें क्रमशः मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, अहमदाबाद और लखनऊ होंगी।नीलामी पहले मुंबई में दोपहर में आयोजित की गई थी। बोलियां लगने के बाद पांच विजेताओं का खुलासा हुआ। जबकि अदानी ग्रुप, अदानी स्पोर्टसलाइन को 1289 करोड़ की उच्चतम बोली के साथ अहमदाबाद फ्रैंचाइजी मिली। इंडिया फिन्स स्पोर्टस लिमिटेड ने 912.99 करोड़ रुपये की बोली के साथ मुंबई फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण किया। रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू जीएमआर क्रिकेट प्रा लिमिटेड और कैपरी ग्लोबल होल्डिंग्स प्रा लिमिटेड ने शेष तीन टीमों को क्रमशः 901 करोड़ रुपये, 810 करोड़ रुपये और 757 करोड़ रुपये की विजयी बोलियों के साथ जीता।

मानद सचिव जय शाह ने पहले कहा था कि आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में टीमों के स्वामित्व के लिए कुल 4669.99 करोड़ रुपये की बोली आई, जिसमें उन्होंने 2008 में पुरुषों के आईपीएल के उद्घाटन का रिकॉर्ड तोड़ दिया।क्रिकेट में आज एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि उद्घाटन की टीमों के लिए बोली डब्ल्यूपीएल ने 2008 में पुरुषों के आईपीएल के उद्घाटन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया! विजेताओं को बधाई क्योंकि हमने कुल बोली में 4669.99 करोड़ रुपये जुटाए।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे सिराज

मुम्बई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज शीर्ष पर नहुंच गये हैं। सिराज को न्यूजीलैंड सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है और उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट को पीछे छोड़ते हुए पहली बार नंबर एक स्थान हासिल किया है। सिराज ने पिछले एक साल के अंदर शानदार गेंदबाजी की है। उन्होंने इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। सिराज ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में सबसे ज्यादा 9 विकेट लिए थे। वहीं सिराज ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ समाप्त हुई एकदिवसीय सीरीज में चार विकेट लिए थे। सिराज 729 रेटिंग अंकों के साथ एकदिवसीय गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं जबकि हेजलवुड 727 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर और ट्रेंट बोल्ट 708 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

सूर्यकुमार साल 2022 में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी पुरुष टी20आई क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने

दुबई । टीम इंडिया के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को साल 2022 में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आईसीसी पुरुष टी20आई क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार मिला है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को सूर्यकुमार के नाम की घोषणा की। सूर्यकुमार ने पिछले एक साल में टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। वह टी20आई में एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाले केवल दूसरे बल्लेबाज बने हैं। उन्होंने साल 2022 में 187.43 की स्ट्राइक रेट से 1164 रन बनाये। इस प्रकार वह साल में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। सूर्यकुमार ने 31 मैचों में 46.56 की औसत और 187.43 की स्ट्राइक रेट से 1164 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने साल 2022 में सबसे अधिक 68 छक्के लगाए जो इस प्रारूप में एक रिकॉर्ड है। दो शतक और 9 अर्धशतक बनाने वाले इस बल्लेबाज ने पूरे वर्ष हिटर के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाई। ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 में सूर्यकुमार ने छह पारियों में तीन अर्द्धशतक बनाए और उनका औसत 60 के करीब रहा। विशेष रूप से उनका स्ट्राइक रेट 189.68 था जो फिर से बहुत अधिक था। विश्व कप टूर्नामेंट के बाद सूर्यकुमार ने न्यूजीलैंड में द्विपक्षीय श्रृंखला में वर्ष के अंत में टी20आई में अपना दूसरा शतक बनाकर अपने उत्कृष्ट वर्ष को बनाए रखा। उन्होंने साल की शुरुआत में ही शतक लगा दिया था। सूर्यकुमार ने आईसीसी पुरुष टी20आई प्लेयर रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए करियर के उच्च 890 रेटिंग अंक भी प्राप्त किए।

सूर्यकुमार यादव को तीनों प्रारूपों में खेलना चाहिएः सुरेश रैना

नई दिल्ली,

भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि सूर्यकुमार यादव को अंतरराष्ट्रीय खेल के तीनों प्रारूपों में भारत के लिए खेलना चाहिए और उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका दिया जाना चाहिए।

सूर्यकुमार ने 2022 में टी20 क्रिकेट की दुनिया में धमाल मचाया है और आईसीसी टी20 प्लेयर आफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता। हालांकि उन्होंने अभी तक वनडे क्रिकेट में अपनी पकड़ नहीं बनाई है। सूर्यकुमार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ नागपुर में 9 फरवरी से शुरू होने वाले पहले दो टेस्ट के लिए भारत की 17 सदस्यीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।उन्होंने कहा, बिल्कुल, जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें तीनों प्रारूपों में खेलना चाहिए और उसके बिना तीनों प्रारूपों का अस्तित्व भी नहीं होना चाहिए। जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया, जिस तरह से वह इरादे दिखाते हैं, जिस तरह से वह अलग-अलग शॉट्स की योजना बनाते हैं, वह भी निडर होकर खेलते हैं और जानते हैं कि मैदान का उपयोग कैसे करना है। रैना ने जियो सिनेमा पर आकाशवाणी नामक एक दैनिक शो में कहा, वह मुंबई के खिलाड़ी हैं और लाल गेंद से क्रिकेट खेलना जानते हैं। मुझे लगता है कि उनके पास एक अच्छा मौका है। टेस्ट क्रिकेट खेलने से उन्हें वनडे मैचों में एक और प्रतिष्ठा मिलेगी और साथ ही कुछ स्थिरता भी मिलेगी। वह कई शतक और फिर 200 रन बनाएंगे।भारत के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर प्रज्ञान ओझा रैना के विचारों से सहमत थे। निश्चित रूप से उन्हें टेस्ट टीम में होना चाहिए। जिस तरह से उन्होंने क्रिकेट खेला है, और जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया है, मुझे लगता है कि उन्हें तीनों प्रारूपों में होना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि यह सवाल क्यों आ रहा है। जिस तरह से युवा प्रतिभा सरफराज खान इस समय प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं समझता हूं कि उनका समय आएगा। लेकिन सूर्य टेस्ट टीम में सौ प्रतिशत होने के हकदार हैं।

निगरानी समिति गठित करने से पहले सलाह नहीं लेने से पहलवान नाराज

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप लगाने वाले पहलवान इस मामले में खेल मंत्रालय के रुख से अब भी संतुष्ट नहीं हैं। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने ब्रजभूषण मामले की जांच के लिए मुक्केबाज एमसी मेरीकॉम की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय निगरानी समिति गठित की है पर पहलवानों का कहना है कि उनसे सलाह के बिना ही यह समिति बना दी गयी जबकि पहले कहा गया था कि पहलवानों से भी बात कर कोई फैसला होगा। यह समिति डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने के अलावा भारतीय कुश्ती महासंघ के कामकाज पर भी नजर रखेगी। वहीं पहलवान बजरंग पूनिया विनेश फोगाट सरिता मोर और साक्षी मलिक ने ट्वीट पोस्ट करके अपनी व्यक्त की है। इन पहलवानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह और ठाकुर को टैग कर ट्वीट किया है। इसमें कहा गया कि हमें आश्वासन दिया गया था कि निगरानी समिति का गठन करने से पहले हम से सलाह ली जाएगी पर बाद में हम से बात किये बिना ही समित बना दी गयी। इसके अलावा गीता फोगाट ने ट्वीट किया मैं माननीय प्रधानमंत्री से आग्रह करती हूं कि देश की सभी बहनें और बेटियां बड़ी उम्मीदों के साथ आपकी ओर देख रही हैं। अगर हम बहनों और बेटियों को न्याय नहीं मिलता है तो यह देश के इतिहास में बड़ा दुर्भाग्य होगा। इससे पहले विनेश ने ट्वीट किया था सत्य को परेशान किया जा सकता है लेकिन हराया नहीं जा सकता। इन पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ तानाशाही रवैया अपनाने और जूनियर पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगाए थे।

मुख्यमंत्री ने बोटाद जिले में 298 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

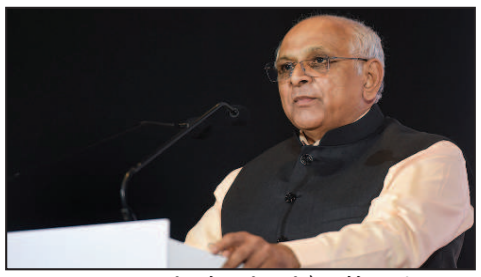

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि जन कल्याण को सर्वोपरि मानते हुए जनता के कार्य करने में ही गणतंत्र दिवस मनाने की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि गुजरात विकास के नित नए शिखर पार कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने राज्य में शिक्षा स्वास्थ्य और सुरक्षा इन तीनों क्षेत्रों की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में बोटाद जिले में विभिन्न क्षेत्रों में 298 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी इसी विकास क्रम का उदाहरण है। 74वें गणतंत्र पर्व के अवसर पर बुधवार को बोटाद जिले में विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि संतों और कवियों की भूमि बोटाद भी अब विकास के नक्शे में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि यह न केवल हमारा गौरव है कि हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा सफल नेतृत्व मिला है बल्कि उन्हें विश्व स्तर पर पहचान भी मिली है। विकसित देशों में गंभीर होती जा रही बेरोजगारी की समस्या के मुकाबले भारत में रोजगार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के कार्यों में जनभागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है और गुजरात उस दिशा में नए आयाम स्थापित कर रहा है। राज्य में विकास कार्यों की गति और भी तेज बनी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में खेल महाकुंभ की शुरुआत की थी इससे दूरदराज के गांवों के खिलाड़ियों को तमाम तरह की सुविधाएं और मार्गदर्शन मिला है। हमारी सरकार ने खेल के क्षेत्र में जहां अवसर नहीं थे वहां अवसर पैदा करने का काम किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बोटाद में आकार लेने वाला खेल परिसर ऐसे अनेक नए अवसरों का सृजन करेगा। पटेल ने कहा कि भारत इस वर्ष जी20 समिट की मेजबानी कर रहा है। जी20 के 15 कार्यक्रमों का आयोजन गुजरात में होगा। यह समय की मांग है कि श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके गुजरात के मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान जो विकास मंत्र दिया था उसे सार्थक करने हम प्रयासरत रहें। देश आजादी के 75 वर्ष पूरे कर अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में उन्होंने आह्वान किया कि इस अमृत काल में ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हम गुजरात को भी अधिक से अधिक विकसित बनाने का प्रयास करें।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री डॉ. महेन्द्र मुंजपरा ने कहा कि 74वें गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोह जब धर्म और आस्था के केंद्र बोटाद जिले में आयोजित होने जा रहा है तब आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से होने जा रहे अनेक विकास कार्यों के ई-लोकार्पण शिलान्यास और भूमिपूजन से आने वाले दिनों में बोटाद जिला विकास की नई ऊंचाइयों को पार करेगा।

राज्यपाल की अध्यक्षता में 74वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बोटाद में एट हॉम कार्यक्रम आयोजित

अहमदाबाद। इस वर्ष गणतंत्र दिवस का राज्य स्तरीय समारोह बोटाद में आयोजित किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बोटाद में राज्यपाल आचार्य देवव्रत की अध्यक्षता में एट हॉम कार्यक्रम आयोजित किया गया। एट हॉम कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल एवं मुख्य सचिव पंकजकुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। राज्यपाल ने सभी को 74वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने एट हॉम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत लंबे समय तक गुलामी के बाद आजादी प्राप्त कर आज 74वां गणतंत्र दिवस गौरव के साथ मनाने जा रहा है। राज्य की धरती के सपूत तथा विश्व प्रसिद्ध नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय पर्वों को जिला मुख्यालय में मनाने की नई परंपरा स्थापित की जो प्रशंसनीय तथा अनुकरणीय है। बोटाद की धरती कला साहित्य तथा संस्कृति की भूमि है। उन्होंने कहा कि सौराष्ट्र का हिस्सा बोटाद आज विकास की नई परिपाटी पर आगे बढ़ रहा है। राज्यपाल ने आगे कहा कि विश्व का इतिहास साक्षी है कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसने किसी भी देश पर सामने से आक्रमण नहीं किया है। अध्यात्म संस्कृति का पालक भारत आज पुन: विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि भारत ने भूमि नहीं वरन् हमेशा आत्मा और मन जीतने का अभिगम अपनाया है। राज्यपाल ने कहा कि देश में एकता का अभाव था जिसके कारण गुलामी लम्बे समय तक चली। हालाँकि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद से पूज्य गांधीबापू (महात्मा गाँधी) सरदार पटेल तथा भारत की आजादी के लिए लड़ने वाले लाखों लोगों के बलिदान के कारण भारत आजाद हुआ। आज का दिन बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने का भी अवसर है। राज्यपाल देवव्रत ने कहा कि भारत आज संयुक्त (अखंड) गणराज्य है और तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुँचा है। यह गौरव की बात है कि आज भारत जी-20 देशों की मेज़बानी कर रहा है। राज्यपाल ने राज्य के नागरिकों से मातृभूमि के प्रति समर्पित होने के लिए संकल्पबद्ध होने का आह्वान किया और कहा कि मातृभूमि की रक्षा की भावना प्रत्येक नागरिक में व्याप्त होनी चाहिए।

कड़ी सुरक्षा के बीच गुजरात में 'पठान' फिल्म रिलीज विहिप ने अपना विरोध लिया वापस

अहमदाबाद।

बोलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अभिनित 'पठान' फिल्म आज गुजरात समेत देशभर में करीब 2500 स्क्रीन पर एक साथ रिलीज हो गई। हिन्दू संगठनों के कड़े विरोध के बीच रिलीज हुई पठान फिल्म को लेकर सिनेमाघरों के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हांलाकि विश्व हिन्दू संगठन (विहिप) ने अपना विरोध वापस ले लिया है। अहमदाबाद के सिनेमाघरों के बाहर पुलिस का पुख्ता बंदोबस्त किया गया है। शहर के सभी थियेटरों और मल्टीप्लैक्स पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अहमदाबाद के थलतेज स्थित पीवीआर सिनेमा होल के बाहर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। साथ ही अहमदाबाद के संवेदनशील इलाकों में पुलिस लगातार गश्त भी कर लिया है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पुलिस की नजर है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए अहमदाबाद शहर पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों के जरिए किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान ना दें और फिल्म को केवल फिल्म की तरह ही देखें। गौरतलब है पठान का टीजर रिलीज होने के बाद से इस फिल्म का हिन्दू संगठन विरोध कर रहे हैं। सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म के कुछ दृश्य और संवाद पर कैंची चलाने के बाद आज देशभर में पठान फिल्म रिलीज हो गई है। सेंसर बोर्ड की कार्यवाही के बाद विश्व हिन्दू परिषद ने अपना विरोध वापस ले लिया है। साथ ही कहा है कि पठान फिल्म देखना या नहीं इसका फैसला अब लोगों को करना है। हांलाकि विहिप ने पठान फिल्म का विरोध भले ही वापस ले लिया हो लेकि फिल्म निर्माता और सेंसर बोर्ड के खिलाफ उसकी आपत्ति बरकरार है।

राजकोट-जेतलसर खंड पर पहली बार ट्रायल रन इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के साथ पीसीईई का निरीक्षण पूर्ण

अहमदाबाद ।

भारतीय रेलवे के 100% विद्युतीकरण की निरंतरता में रेलवे विद्युतीकरण के लिए केंद्रीय संगठन (कोर) के तहत अहमदाबाद इकाई के रेलवे विद्युतीकरण मंडल ने राजकोट एवम भावनगर मंडल का राजकोट-जेतलसर खंड (RKM : 74.567 TKM : 84.322) को चालू करके एक और उपलब्धि हासिल की है। रेलवे विद्युतीकरण के मुख्य परियोजना निदेशक/अहमदाबाद-अहमदाबाद श्री ए के सिंह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में नए विद्युतीकृत खंड में गुड्स एंड पैसेंजर ट्रेन के उद्घाटन के लिए आवश्यक सफल पीसीईई निरीक्षण के बाद उत्कृष्ट कार्य हासिल किया गया है। एके जैन डीआरएम/राजकोट और मनोज गोयल डीआरएम/भावनगर के संग राजकोट और भावनगर मंडल के शाखा अधिकारियों के साथ एक अनिवार्य निरीक्षण किया गया। PCEE/WR को सेक्शन की पेशकश करने से पहले सेक्शनल स्पीड पर इलेक्ट्रिक लोको का ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। PCEE/WR श्री जी एस भवरिया ने 25.01.23 को 74.567 RKM और 84.322 TKM की अनुभागीय लंबाई वाले राजकोट - जेतलसर मंडल अंतर्गत प्रोजेक्ट EPC-12 खंड का निरीक्षण किया और तकनीकी पहलू और OHE सिस्टम की सुरक्षा विश्वसनीयता में सुधार के लिए सलाह दी। राजकोट-वांकानेर का विद्युतीकरण जोरों पर है और निरीक्षण की पेशकश के लिए जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। यह विद्युतीकृत खंड इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ तेज और बेहतर ट्रेन सेवा प्रदान करेगा जो भारतीय रेलवे पर एक नवीनतम हरित पहल के रूप में ग्रीन इंडिया के महत्वाकांक्षी मिशन को भी बढ़ावा देगा । रेलवे विद्युतीकरण के शीघ्र पूरा होने का लाभ बहुत प्रभावशाली है जो डीजल लोकोमोटिव की निर्भरता को कम करके कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा और जो ईंधन के आयात के कारण वित्तीय बोझ को कम करने में भारत का समर्थन करेगा।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश उप सचिव का सूरत में आगमन

सूरत भूमि, सूरत।

शहर के उधना मगदल्ला रोड पर नवजीवन सर्किल के पास गोकुलधाम शॉपिंग सेंटर में उमंग लेबर यूनियन के कार्यालय में यूनियन के जनरल सेक्रेटरी काशी प्रसाद तिवारी तथा उनके तमाम इष्ट मित्रों से मुलाकात कर राजनैतिक चर्चा के हेतु उत्तर प्रदेश से जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश उप सचिव बॉबी सिंह सूरत गुजरात में अपनी राजनैतिक पैठ बनाने के लिए तारीख 25 जनवरी 2023 को आए हैं। जहां राजनैतिक चर्चा में उपस्थित तमाम लोगों ने उप सचिव बॉबी सिंह से यह अनुरोध किया है कि आप एक बार पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह (राजा भैया) का सूरत शहर में एक जनसभा करवाइए, ऐसी मांग यहां के लोगों ने बाबू सिंह से किया। राजनीतिक स्तर पर उत्तर भारतीयों के एक अच्छा समूह तैयार कर पहले से अपनी शक्ति मजबूत करके फिर चुनावी रणनीति तैयार किया जाए। ऐसी तमाम चर्चा के बाद उमंग लेबर यूनियन के कार्यालय में उपस्थित जनरल सेक्रेट्री काशी प्रसाद तिवारी तथा तमाम साथी मित्रों द्वारा प्रदेश उपसचिव बॉबी सिंह का हार-माला से स्वागत किया गया। कार्यालय में उपस्थित रामलाल पाण्डेय, शिवनाथ पाण्डेय, रामबाबू मिश्रा तथा अन्य तमाम लोगों का प्रदेश उपसचिव बॉबी सिंह ने पार्टी के चुनाव निशान का गमछा कंधे पर डालकर खुद अपने हाथों से एक-एक कर सबका स्वागत किए और उसके बाद वहां पर उपस्थित लोगों ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाएं।

श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का छठवाँ पटोत्सव गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा

सूरत भूमि, सूरत।

वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम का छठवाँ पटोत्सव गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा । इस अवसर पर निशान रथ यात्रा, भजन संध्या, पूजा विधान सहित अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा । इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर को तिरंगा की थीम पर सजाया जायेगा एवं बाबा श्याम को पीले फूलों से सजाया जायेगा ।

आयोजन के संयोजक राजेश अग्रवाल व ओमप्रकाश सीहोटिया ने बताया की इस अवसर पर सुबह आठ बजे से विशाल रथ निशान यात्रा का आयोजन वेसू स्थित कैपिटल ग्रीन सोसायटी से निकाली जायेगी । यात्रा श्याम मंदिर आयेगी, जहाँ सभी भक्त बाबा को निशान अर्पण करेंगे । मार्ग में यात्रा का स्वागत जगह-जगह पुष्पवर्षा, जलपान आदि से किया जायेगा ।

पटोत्सव के संयोजक रामअवतार सीहोटिया एवं राकेश खटोड़ ने बताया की सुबह दस बजे से पटोत्सव पूजा विधान किया जाएगा एवम् महाआरती का आयोजन किया जायेगा । इस अवसर पर दोपहर को सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है ।

विशाल भजन संध्या का आयोजन शाम छ: बजे से किया जायेगा । भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार संजू शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे । इस मौक़े पर सभी भक्तों को बाबा का ख़ज़ाना का वितरण किया जायेगा । पटोत्सव पर आयोजित पाँच दिवसीय आयोजन में बुधवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन शाम छ: बजे से किया गया, जिसमें स्थानीय गायक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गयी । देर रात तक भक्तों की भीड़ मंदिर प्रांगण में रही ।

अग्रवाल समाज हेल्थ सेंटर में भगवान गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की जायेगी

सूरत भूमि, सूरत।

अग्रवाल समाज ट्रस्ट द्वारा संचालित घुड़दौड़ रोड स्थित अग्रवाल समाज हेल्थ सेंटर में 26 जनवरी ,गुरुवार को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर भगवान गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की जायेगी । अग्रवाल समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील बजाज से बताया की इस अवसर पर किशनलाल मेगोटिया मुख्य अतिथि होंगे एवं महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदास जी महाराज का पावन सानिध्य होगा । इस मौक़े पर गणतंत्र दिवस भी मनाया जायेगा ।

मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स ने निवेश के मौके प्रदान करने के लिए क्वांट फंड मेरिटोरक्यू फंड लॉन्च किया

मुंबई । मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत की अग्रणी पोर्टफोलियो प्रबंधन कंपनी, ने खुदरा निवेशकों (रिटेल इनवेस्टर्स) को बेहतर रिस्ट-एडजेस्टेड रिटर्न देने के लिए डिज़ाइन किया गया एक खास क्वांट-आधारित फंड मार्सेलस मेरिटोरक्यू लॉन्च किया है।

मेरिटोरक्यू को न्यूनतम 10 लाख रुपये के निवेश की आवश्यकता है। इस उत्पाद का उद्देश्य लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में 35-45 स्टॉक वाला एक डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार करना है। फंड को निफ्टी 500टीआरआई के समक्ष बेंचमार्क किया जाएगा।

श्री सौरभ मुखर्जी, चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर, मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स ने इस नए फंड के बारे में बात करते हुए कहा कि "कई छोटे खुदरा निवेशक लंबे समय से इच्छा रखते हैं कि मार्सेलस बाजार में एक उत्पाद लाए जिसके लिए छोटे आकार के निवेश की आवश्यकता होती है। इस नए फंड के साथ निवेश निर्णयों के लिए एक मात्रात्मक और नियम-आधारित दृष्टिकोण लेकर मेरिटोरक्यू निवेशकों को उनके दीर्घकालिक लक्ष्यों को समझने में मदद करने के लिए एक उपयोगी विकल्प पेश कर रहा है।"

यह पोर्टफोलियो आंतरिक रूप से विकसित नियम-आधारित प्रणाली पर बनाया गया है ताकि सूचीबद्ध शेयरों के एक बड़े यूनिवर्स से अच्छी गुणवत्ता वाली, कम मूल्य वाली कंपनियों की पहचान की जा सके। व्यवहार संबंधी पूर्वाग्रहों से बचने के लिए एक मात्रात्मक दृष्टिकोण सबसे उपयुक्त है और पूंजी पर उच्च रिटर्न, ठोस वित्तीय स्थिति और स्वच्छ खातों के साथ शेयरों के दीर्घकालिक जीतने वाले पोर्टफोलियो के निर्माण में विवेक पर प्रक्रिया को प्राथमिकता देता है।

जुलाई 2006 से अगस्त 2022 तक 16 साल की अवधि में मेरिटोरक्यू की बैक टेस्टिंग के साथ, फंड ने निफ्टी 500 टीआरआई के लगभग 7.3 गुना की तुलना में 20 गुना अधिक रिटर्न दिया है। मेरिटोरक्यू ने बेहद अस्थिर बाजार स्थितियों के दौरान बेहद कम ड्रॉडाउन के साथ काफी तेजी से रिकवरी देखी है।

कृष्णन वीआर, इनवेस्टमेंट एडवाइजर, मेरिटोरक्यू ने कहा कि च्मेरिटरक्यू एक नियम-आधारित रणनीति है, जो मूल सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करती है। मेरिटोरक्यू स्वच्छ खातों वाली उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों और अपेक्षाकृत कम मूल्य वाली कंपनियों को खरीदने में मार्सेलस के समझौतावादी दृष्टिकोण का अनुसरण करता है। यह रणनीति कम से कम तीन साल के निवेश क्षितिज वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है।"

स्वच्छ खातों वाली कंपनियों की जांच के लिए मार्सेलस के फोरेंसिक ढांचे पर निर्भर करता है। कम नकारात्मक जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न देने के लिए गुणवत्ता और मूल्य जैसे असंबद्ध कारकों को जोड़ता है। रणनीति में 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट और मार्च 2020 के कोरोना मार्केट क्रैश दोनों के दौरान बेंचमार्क की तुलना में कम गिरावट आई है। अप्रैल और अक्टूबर के पहले कारोबारी दिन फंड को रीबैलेंसिड और अर्ध-वार्षिक रूप से समीक्षा की जाएगी।

एमेज़ॉन एयर ने भारत में ग्राहकों को ज्यादा तेज डिलीवरी प्रदान करने के लिए उड़ानों का रास्ता अपनाया

आज एमेज़ॉन इंडिया ने भारत में अपने परिवहन नेटवर्क का विस्तार करने और ग्राहकों को ज्यादा तेज डिलीवरी प्रदान करने के लिए एमेज़ॉन एयर का लॉन्च करने की घोषणा की है। एमेज़ॉन क्विकजेट कार्गो एयरलाईंस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा संचालित बोईंग 737-800 एयरक्राफ्ट की संपूर्ण कार्गो क्षमता का उपयोग करेगा। इस नए एमेज़ॉन-ब्रांडेड एयरक्राफ्ट के इंडक्शन समारोह में श्री कल्वाकुंतला तारक रामा राव, मुनिसिपल प्रशासन एवं शहरी विकास मंत्री, उद्योग एवं कॉमर्स, और इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी, तेलंगाना मौजूद थे। इस अवसर पर एमेज़ॉन की सीनियर लीडरशिप में अखिल सक्सेना, वाईस प्रेसिडेंट, कस्टमर फुलफिलमेंट (एपैक, मेना एवं लातम) और वर्ल्डवाईड कस्टमर सर्विस, तथा साराह रोड्स, वाईस प्रेसिडेंट, एमेज़ॉन ग्लोबल एयर, हैदराबाद भी उपस्थित थे।

श्री कलवाकुंतला तारक रामा राव, मुनिसिपल प्रशासन एवं शहरी विकास मंत्री, उद्योग एवं कॉमर्स, और इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी, तेलंगाना ने कहा, "तेलंगाना मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के विकास के लिए एक सकारात्मक वातावरण प्रदान करता है। मुझे इस बात में गर्व है कि हैदराबाद ई-कॉमर्स एवं सप्लाई चेन की गतिविधियों के मुख्य केंद्र के रूप में उभरा है। हम राज्य में एयर कार्गो का इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं और हम एमेज़ॉन एयर के लॉन्च का स्वागत करते हैं, जिससे हैदराबाद को देश के लिए एक कार्गो हब बनने में मदद मिलेगी तथा राज्य में रोजगार के अतिरिक्त अवसरों का सृजन हो सकेगा। मैं इस उपलब्धि के लिए एमेज़ॉन की टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ। उनके इस कदम से एक मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो सकेगा, जो देश की आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी है।"

अखिल सक्सेना, वाईस प्रेसिडेंट - कस्टमर फुलफिलमेंट (एपैक, मेना एवं लातम) और वर्ल्डवाईड कस्टमर सर्विस, एमेज़ॉन ने कहा, "एमेज़ॉन एयर एक महत्वपूर्ण समय में भारत में प्रवेश कर रहा है। पिछले कुछ सालों में हमने देश में अपने फुलफिलमेंट, ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई सकारात्मक कदम उठाए हैं। एमेज़ॉन एयर में हमारा निवेश भारत में हमारे ग्राहकों के लिए डिलीवरी के अनुभव में सुधार लाएगा। साथ ही इस लॉन्च द्वारा भारत में 1.1 मिलियन से ज्यादा सैलर्स को सपोर्ट मिलेगी तथा ट्रांसपोर्टेशन एवं एविएशन जैसे ऐंसिलरी व्यवसायों का विकास होगा। यह हमारे ग्राहकों और सैलर्स के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, और एविएशन उद्योग में एक बड़ी पहल है। हम लॉजिस्टिक्स के भविष्य में परिवर्तन लाने के अपने ग्लोबल मिशन में इस बड़ी उपलब्धि के लिए बहुत खुश हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)